मृदुभाषी
सच्ची खबरें, सलीके के साथ
इंदौर | भोपाल से एक साथ प्रकाशित
facebook.com/mradubhashi twitter.com/mradhubhashi www.mradubhashi.com इंदौर, मंगलवार, 30 अप्रैल 2024 नगर संस्करण, वर्ष: 04, अंक: 248, पृष्ठ : 08, मूल्य: 5.00 रुपए

सूरत के बाद इंदौर में भी 'खेला': कांग्रेस कैंडिडेट अक्षय कांति बम ने नामांकन वापस लिया, बीजेपी में शामिल, वोटिंग से पहले ही कांग्रेस की हार

गुजरात के सूरत की तरह मध्यप्रदेश में भी कांग्रेस को एक और झटका लगा है। इंदौर लोकसभा सीट से कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी अक्षय कांति बम ने सोमवार को अपना नामांकन वापस ले लिया। यही नहीं, कांग्रेस छोड़कर उन्होंने बीजेपी का दामन भी थाम लिया। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अक्षय बम के साथ सेल्फी शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि इंदौर से कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी अक्षय कांति बम का भाजपा में स्वागत है।

कांग्रेस पर अक्षय ने फोड़ा 'बम'

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को एक बार फिर किरकिरी का सामना करना पड़ा है। इंदौर सीट से पार्टी के प्रत्याशी अक्षय कांति बम ने नामांकन वापस ले लिया है। नामांकन की समय सीमा समाप्त हो जाने की वजह से अब इस सीट पर कांग्रेस की उम्मीदवारी खत्म हो गई है। अक्षय कांग्रेस को झटका देने के बाद भाजपा में शामिल हो गए हैं।

इंदौर से कांग्रेस को मजबूत प्रत्याशी नहीं मिल रहा था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की पंसद पर अक्षय कांति बम का टिकट तय हुआ था। भाजपा वैसे ही उन्हें साफ्ट टारगेट मान रही थी,लेकिन फिर उन्हें भाजपा में लाने की रणनीति पर काम हुआ। सब कुछ पहले से तय था,लेकिन भाजपा को नाम वापसी की तिथि का इंतजार था। सोमवार सुबह अक्षय बम तिरंगा दुपट्टा पहन कर चोथइराम मंडी पर जनसंपर्क करने पहुंचे। यहां के फोटो उन्होंने अपने फेसबुक अकाउंट पर अपलोड किए। इसके बाद वे अकेले पलासिया में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के तीन नंबर बंगले पर पहुंचे। यहां विजयवर्गीय उनका इंतजार पहले से कर रहे थे। नाश्ते के बाद विधायक रमेश मेंदोला के साथ उन्हें कलेक्टर कार्यालय भेजा गया। इसके लिए एमआईसी मेंबर जीतू यादव के वाहन का इस्तेमाल किया गया। नाम वापसी के दौरान कांग्रेसी विवाद न करे, इसलिए एक बी टीम कलेक्टर कार्यालय के नीचे भी तैनात की गई थी।

नाम वापसी के बाद मेंदोला उन्हें वाहन में लेकर जूनी इंदौर पहुंचे। इसके बाद बम विजयवर्गीय की गाड़ी में सवार हुए और भाजपा कार्यालय पहुंचे। यहां उनके साथ करीब दो घंटे तक भाजपा नेता चर्चा करते रहे। पहले यह तय हुआ था कि बम को भोपाल ले जाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई जाए। फिर इंदौर में ही आयोजन करने पर सहमति बनी।

17 साल पुराने केस में बढ़ गई थी हत्या के प्रयास की धारा

बम को अपना बनाने के लिए भाजपा ने प्रेशर गेम सप्ताह भर पहले तैयार किया था। जैसे ही बम ने नामांकन पर्चा दाखिल किया। उसी दिन 17 साल पुराने जमीन के केस में उनके खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज हो गया। इस केस में बम उलझ गए और उनके नामांकन को भी भाजपा की तरफ से चुनौती दी गई। शपथ पत्र में हत्या के प्रयास की धारा छुपाए जाने को लेकर भाजपा ने आपत्ति ली थी और उनका नामांकन निरस्त करने की मांग की थी, हालांकि निर्वाचन अधिकारी ने आपत्ति निरस्त कर दी। बम के कॉलेज से जुड़ी शिकायतों के मामले फिर जिंदा होने लगे थे। इससे भी बम दबाव में आ गए थे।

कैलाश विजयवर्गीय की भूमिका महत्वपूर्ण

बम को भाजपा में लाने के लिए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है। महावीर जंयती के समय विजयवर्गीय और बम एक साथ मंच पर थे। तब बम ने विजयवर्गीय के पैर भी छुए थे। दरअसल विजयवर्गीय के अक्षय के पिता कांति बम से अच्छे संबंध हैं। अक्षय के कुछ रिश्तेदार भी भाजपा में है। उनके जरिये भी अक्षय को भाजपा में लाने की भूमिका तैयार की गई। विजयवर्गीय ने पहले कांति बम को राजी किया। फिर परिवार की तरफ से भी अक्षय पर भावनात्मक दबाव बना। तब तक अक्षय भाजपा का सॉफ्ट टारगेट बन चुके थे। विजयवर्गीय ने उन्हें भाजपा में लाने से पहले केंद्रीय नेतृत्व से हरी झंडी ली। वहां से अनुमति मिलते ही सोमवार सुबह बम ने भाजपा का दामन थाम लिया।

नारेबाजी और धक्का-मुक्की

कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय बम के नामांकन वापस लेने से नाराज कांग्रेस नेता कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन करने पहुंचे। तब वहां तीन निर्दलीय उम्मीदवारों को लेकर भाजपा विधायक गोलू शुक्ला और जिला भाजपा अध्यक्ष चिंटू वर्मा भी पहुंचे थे। दोनो दलों के नेता आमने-सामने हुए और एक दूसरे पर आरोप लगाने लगे। इस दौरान नारेबाजी और धक्का-मुक्की भी हुई। इसके बाद पुलिस को मैदान संभालना पड़ा और नेतागणों को कार्यालय से बाहर किया। कलेक्टर कार्यालय में हुए विवाद को लेकर कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि विवाद के फुटेज के आधार पर एक्शन लिया जाएगा।

अक्षय बम के घर पुलिस तैनात

कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए अक्षय बम के निवास पर पुलिस तैनात हो गई है। पुलिस को आशंका है कि कांग्रेस कार्यकर्ता बम के निवास पर प्रदर्शन कर सकते हैं। इस दौरान तोड़फोड़ न हो, इसलिए पुलिस तैनात की गई है।

अक्षय पर चल रहे तीन मुकदमे

अक्षय कांति बम पर 3 अलग-अलग केस चल रहे हैं। चुनावी हलफनामे में भी बम ने इसका जिक्र किया है। इन्हीं में से एक मामले में पिछले दिनों बम के खिलाफ कोर्ट ने हत्या के प्रयास की धारा 307 बढ़ा दी थी। हलफनामे में बम ने अपनी कुल प्रॉपर्टी 57 करोड़ रुपए बताई थी। पेशे से बिजनेमैन बम की सालाना आय 2.63 करोड़ है। साथ ही 41 किलो चांदी व 275 ग्राम सोना भी रखते हैं।

पूर्व वायु सैनिक ने लगाए गंभीर आरोप

प्रशासन ने शाम को नामांकन फार्म वापस लेने वाले प्रत्याशियों की सूची जारी की जिसमें पूर्व वायु सैनिक धर्मेंद्र झाला का भी नाम था। धर्मेंद्र ने दोपहर चार बजे ही सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किया था कि वे लोकसभा चुनाव में लड़ने के लिए बेहद उत्साहित हैं और अपना चुनाव चिन्ह लेने के लिए कलेक्टर कार्यालय जा रहे हैं। जैसे ही वे कलेक्टर कार्यालय पहुंचे उन्हें अंदर जाने से मना कर दिया गया। उन्हें बताया गया कि चुनाव में उनका नामांकन वे वापस ले चुके हैं। इसके बाद बवाल शुरू हुआ और धर्मेंद्र ने प्रशासनिक अधिकारियों से कहा कि नामांकन वापस लेने का वे सबूत दें। उन्होंने कहा कि जब वे सुबह से यहां पर आए ही नहीं तो कैसे नामांकन वापस हो गया। बाद में बताया गया कि किसी ने फर्जी हस्ताक्षर करके धर्मेंद्र का नामांकन वापस ले लिया। धर्मेंद्र ने कलेक्टर का लिखित शिकायत की है और अब वे कोर्ट जाने वाले हैं। उन्होंने कलेक्टर कार्यालय के सीसीटीवी फुटेज भी मांगे हैं। ठीक इसी तरह दूसरे निर्दलीय प्रत्याशी दिलीप ठक्कर के साथ भी हुआ। उन्होंने भी यही आरोप लगाए कि जब उन्होंने नामांकन वापस ही नहीं लिया तो फिर नामांकन किस आधार पर वापस हुआ। किसके हस्ताक्षर से इसे वापस करवाया गया।

कलेक्टर बोले- प्रक्रिया का किया पालन

कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा है कि नियम है कि प्रत्याशी स्वयं, उनके प्रस्तावक या एजेंट में से कोई भी आकर नाम वापस ले सकता है। इस मामले में प्रस्तावक ने नाम वापस लिया है। फॉर्म में संबंधित प्रत्याशी धर्मेंद्र सिंह झाला के भी साइन हैं, जो सामान्यतः सही प्रतीत होते हैं। हैंड राइटिंग चेक करने की हमारे पास कोई व्यवस्था नहीं है। यदि उन्हें कोई संशय है तो कोर्ट में ही चैलेंज किया जा सकता है। हमने प्रक्रिया का पालन किया है, पूरी वीडियोग्राफी कराई गई है।

विधानसभा चुनाव का टिकट मांगा था, कांग्रेस ने किया दरकिनार

कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए डॉ. अक्षय बम ने मप्र विधानसभा चुनाव में इंदौर की चार नंबर सीट से टिकट मांगा था। लेकिन, कांग्रेस ने तब उन्हें टिकट नहीं दिया था। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने उन्हें इंदौर सीट से अपना प्रत्याशी बनाया था। लेकिन, अब बम ने कांग्रेस का हाथ छोड़कर कमल का फूल थाम लिया है।

खजुराहो की तरह अब कांग्रेस की दूसरे दल पर होगी नजर

इंदौर से अपने प्रत्याशी के पीछे हटने पर अब कांग्रेस एमपी के ही खजुराहो संसदीय क्षेत्र की तरह ही किसी निर्दलीय या छोटे दल के प्रत्याशी का समर्थन कर सकती है। इससे पहले खजुराहो लोकसभा सीट पर इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार का नामांकन खारिज हो गया था। वहां अब कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के कैंडिडेट आरबी प्रजापति को अपना समर्थन दे दिया है। प्रजापति बीजेपी प्रत्याशी वीडी शर्मा के सामने चुनावी मैदान में हैं।

यह हुआ था सूरत में

पिछले दिनों गुजरात की सूरत लोकसभा सीट से बीजेपी के मुकेश दलाल को निर्विरोध विजेता घोषित कर दिया गया था। इस सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार निलेश कुम्भानी का नामांकन एक दिन पहले ही रिटर्निंग ऑफिसर ने रद्द कर दिया था। उनके प्रस्तावकों के हस्ताक्षर में गड़बड़ियों का हवाला देकर नामांकन रद्द किया गया था। कांग्रेस के उम्मीदवारों का नामांकन रद्द होने के बाद बाकी बचे 8 उम्मीदवारों ने भी अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली थी।

अक्षय बम बोले- बस रास्ता बदला है

अक्षय बम ने भाजपा में जाने के सवाल पर कहा कि मैने सिर्फ रास्ता बदला है। जिस रास्ते पर राष्ट्रवादी लोग हैं। जिस रास्ते पर संघ है। मैं भी उनके साथ मंजिल की तरफ बढ़ रहा हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक भारत श्रेष्ठ भारत बनाना चाहते हैं। मैने भी उनका साथ देना चाहता हूं। भाजपा में बम के आने पर विजयवर्गीय ने कहा कि अक्षय साहस के साथ काम कर रहा था और भाजपा में आ गया। बहुत साहसी निर्णय था। अक्षय की जगह मैं होता तो यह नहीं कर पाता।

पटवारी बोले- अक्षय को रातभर यातना दी गई

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बीजेपी के खिलाफ अक्षय बम को डराने और धमकाने का आरोप लगाया। सोमवार को ग्वालियर सीट से पार्टी उम्मीदवार प्रवीण पाठक के समर्थन में करैरा में आयोजित एक सभा में पटवारी ने कहा कि इंदौर से कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय कांति बम पर तीन दिन पहले एक पुराने में मामले में 307 धारा बढ़वा दी गई। उसको डराया गया। धमकाया गया और रातभर यातना दी गई। सुबह ही कांग्रेस के प्रत्याशी को कलेक्ट्रेट ले जाकर फॉर्म निकलवा लिया गया।

ब्रीफ न्यूज़

देपालपुर में युवक की हत्या के बाद सोलंकी समाज में गुस्सा

देपालपुर। इंदौर के पास देपालपुर में युवक के सिर पर रॉड मारकर हत्या कर दी गई। मृतक के साथी पर भी हमला किया गया। घायल अवस्था में दोनों को पहले देपालपुर के सरकारी अस्पताल ले गए, लेकिन वहां से डॉक्टरों ने इंदौर के लिए रैफर कर दिया। परिवार उन्हें तत्काल एम्बुलेंस से इंदौर ले आई। यहां उपचार एक घायल ने दम तोड़ दिया। घटना अहीरखेड़ी (देपालपुर) में गौतम मधुसुदन सोलंकी (21) के साथ हुई। रविवार शाम को वह मिजार्पुर यशवंत सागर के पास कामरन अकरम खान की दुकान पर दोस्त बंटी के साथ गया था। यहां इनका किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ तो कामरन ने गौतम के सिर पर लोहे की रॉड मार दी। उसके साथ आए दोस्त बंटी पर भी हमला किया। गौतम गंभीर रूप से घायल हुआ। उसके घरवालों को खबर लगी तो वो मौके पर पहुंचे, तब तक कामरान दुकान बंद कर भाग गया। दोनों घायलों को पहले वहीं के सरकारी अस्पताल फिर इंदौर के अरविंदो अस्पताल ले गए। अस्पताल में गौतम की मौत हो गई। गौतम मधु टेंट हाउस का मालिक था। उसकी मौत की खबर से समाज के लोगों में गुस्सा है। सोलंकी का परिवार हिंदू संगठन से जुड़ा है। एसपी सुनील मेहता ने देपालपुर टीआई रणजीतसिंह बघेल के नेतृत्व में टीमें लगाई थी। पता चला है कि देर रात टीमों ने आरोपी कामरान को गिरफ्तार कर लिया है।

बिजली विभाग के सहायक यंत्री के साथ कर्मचारी ने की मारपीट

इंदौर। इंदौर के सेंट्रल कोतवाली क्षेत्र में बिजली विभाग के सहायक यंत्री के साथ उसके आउटसोर्स कर्मचारी ने मारपीट कर दी। बताया जाता है कि आउटसोर्स कर्मचारी वॉट्सएप ग्रुप से निकाले जाने को लेकर नाराज चल रहा था। सेंट्रल कोतवाली पुलिस के मुताबिक साउथ जोन में सहायक यंत्री के पद पर काम करने वाले शंकर कुमार भगत की शिकायत पर पुलिस ने एजाज खान निवासी के खिलाफ केस दर्ज किया है। शंकर कुमार भगत ने बताया कि एजाज आउटसोर्स कर्मचारी है। जो कस्टमर से बिल के रुपए कलेक्ट करता है और उसे अकाउंट में डालता है। एजाज खान ने कस्टमर से रुपए लेने के बाद उसे अकाउंट में नहीं डाले। ऐसे में उसे वॉट्सएप ग्रुप से शंकर कुमार ने बाहर कर दिया। इस बात को लेकर वह नाराज था। 24 अप्रैल को वह ऑफिस में आया और कहा कि ऑफिशियल ग्रुप से बाहर क्यों किया। इस पर शंकर कुमार ने कहा कि आप पिछले दो तीन माह से कर्मचारियों को काम ना करने को लेकर ग्रुप पर पोस्ट कर रहे हो। इसके बाद वह गुस्सा हुआ और झूमाझटकी करते हुए कहने लगा कि पेट्रोल डालकर तुम्हें आग लगा दूंगा और खुद भी मर जाउंगा। इस बात को लेकर सहायक यंत्री काफी डर गए। बाद में उन्होंने अफसरों से बात की ओर मामले की शिकायत थाने पर कर दी।

शादी में नाचने के दौरान चौथी मंजिल से गिरी महिला, मौत

इंदौर। इंदौर के द्वारकापुरी में रहने वाली एक महिला शादी समारोह में चौथी मंजिल से गिरने से मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक महिला का नाम काजल पति सरदार प्रजापत निवासी दिग्विजय मल्टी है। महिला रविवार रात पड़ोसी के यहां शादी समारोह में शामिल होने गई थी। इस दौरान वह चौथी मंजिल पर डांस कर रही थी। तभी उसका संतुलन बिगड़ा और वह नीचे आ गिरी। उसे आसपास के रहवासी नजदीक के अस्पताल ले गए। यहां पर रात में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक महिला का पति सरदार हम्माली करता है।

नगर निगम में हुए घोटाले में दो और आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। नगर निगम में हुए करीब 125 करोड़ के फर्जी बिल घोटाले की परतें लगातार खुलती जा रही हैं। गिरफ्तारियों का दौर दूसरे दिन सोमवार को भी जारी रहा। सोमवार को नगर निगम के सब इंजीनियर उदयसिंह सिसोदिया और कम्प्यूटर ऑपरेटर चेतन भदौरिया को गिरफ्तार किया है। इससे पहले रविवार देर रात दो ठेकेदार भाइयों मो. जाकिर और मो. साजिद ने एमजी रोड थाने में सरेंडर किया था। हालांकि पुलिस का दावा है कि दोनों को आईटी पार्क से गिरफ्तार किया है। दोनों पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था। अब ये चारों आरोपी पांच दिनों के रिमांड पर है।

पंकज पांडेय (डीसीपी जोन-3) ने बताया कि ठेकेदार मो. जाकिर और मो. साजिद पूछताछ में नगर निगम सब इंजीनियर उदयसिंह सिसोदिया और कम्प्यूटर ऑपरेटर चेतन भदौरिया की इस घोटाले में लिप्तता बताई। फिर पुलिस ने तफ्तीश की तो दोनों की भूमिका पाई। इसके बाद इन दोनों को भी गिरफ्तार किया। दोनों ठेकेदारों ने कबूल किया कि उनके खातों में घोटाले का पैसा आता था। दोनों ने निगम अफसरों की अहम भूमिका व मिलीभगत होने की भी बात स्वीकारी। पूछताछ में दोनों ने यह भी बताया कि मामला सामने आने के बाद वे खंडवा भाग गए थे। दोनों भाइयों ने अपनी फर्म के नाम पर फर्जी बिल लगाने की बात भी स्वीकारी है।

छापेमारी में मिली थी फाइलें और दस्तावेज

डीसीपी पांडेय का कहना है कि पुलिस ने इन्हें आईटी पार्क से गिरफ्तार किया है। दिन में ही इनके घर से बैंक पासबुक, गाड़ियां, फाइलें व अन्य दस्तावेज जब्त किए थे। इनके संभावित ठिकानों पर भी पुलिस ने दबिश दी थी। आरोपी राहुल वडेरा के नवनीत दर्शन ऑफिस में भी पुलिस टीम पहुंची और वहां से भी फाइलें और दस्तावेज जब्त किए। इससे पहले फरार आरोपियों के घर एमजी रोड पुलिस ने रविवार तड़के दबिश दी। पुलिस ने अप-टाउन निपानिया में रहने वाले आरोपी राहुल और रेणु वढेरा के दो मंजिला आलीशान बंगले में तलाशी ली। इसके बाद मदीना नगर स्थित आरोपी मोहम्मद सिद्दीकी और मो. साजिद के घर की तलाशी ली। दोनों जगह सर्चिंग के दौरान निगम अधिकारी भी पुलिस के साथ थे। दिनभर में टीम ने करीब 3 स्थानों पर छापे मारे। कुछ संभावित ठिकानों की भी सर्चिंग की। सभी के यहां से कुछ फाइलें, दस्तावेज, सीपीयू और अप-टाउन जब्त की गईं।

3 बैंकों की पासबुक और पासपोर्ट मिले

डीसीपी पंकज पांडेय ने बताया कि फर्जी बिल घोटाले में आरोपी राहुल और उसकी पत्नी रेणु वढेरा के घर से 3 बैंकों की पासबुक और दोनों के पासपोर्ट मिले।। दो लग्जरी कारें भी जब्त की गईं। इनके घर से निगम की कुछ फाइलें व घोटाले से जुड़े दस्तावेज मिले। मदीना नगर में भी आरोपी मो. सिद्दीकी और साजिद के घर से भी कुछ दस्तावेज, फाइलें व बैंक पासबुक जब्त की गईं। इन सभी की तलाश में टीमें लगी हैं। फरार आरोपियों पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित है। पुलिस इनके रिश्तेदारों व परिचितों से लगातार पूछताछ कर रही है।

अलग-अलग बैंकों को पत्र लिखा

फरार आरोपी राहुल वढेरा, रेणु सहित तीन अन्य आरोपियों के घरों से मिली बैंक पासबुकों के आधार पर पुलिस ने अलग-अलग बैंकों को पत्र लिखा है। इनके खातों में 5 साल पुराने ट्रांजेक्शन की हिस्ट्री भी खंगाली जा रही है। पुलिस को आशंका है कि घोटाले की राशि और बढ़ सकती है। निगम के ऑडिट विभाग से लेकर टेंडर, लेखा शाखा सहित पूरे कार्य की एसओपी निकालकर घोटाले की तह तक जाकर पड़ताल की जा रही है।

फर्में हुई ब्लैक लिस्टेड: पुलिस कार्रवाई के साथ निगम कमिश्नर शिवम वर्मा ने घोटाले में लिप्त पांचों फर्म नींव कंस्ट्रक्शन (मो. साजिद), ग्रीन कंस्ट्रक्शन (मो. सिद्दीकी), किंग कंस्ट्रक्शन (मो. जाकिर), क्षितिज इंटरप्राइजेस (रेणु वढेरा) और जाह्नवी इंटरप्राइजेस (राहुल वढेरा) की फर्मों को ब्लैक लिस्टेड घोषित कर भुगतान पर रोक लगा दी है।

9 प्रत्याशियों ने नामांकन लिए वापस, इंदौर में अब 14 प्रत्याशी मैदान में

इंदौर। इंदौर में कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय कांति बम द्वारा नामांकन वापस लिए जाने के बाद भाजपा अन्य विरोधियों के नामांकन वापस करवाने में सफल नहीं हो पाई, लिहाजा इंदौर में लोकसभा चुनाव करवाए जाएंगे। इंदौर में कांग्रेस के अक्षय कांति बम सहित 9 प्रत्याशियों ने नामांकन वापस ले लिया है। अब 14 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं।

ये 14 प्रत्याशी हैं- संजय सोलंकी, कमांडेंट अजीत सिंह,पवन कुमार, वसंत गहलोत,. शंकर लालवानी भाजपा, अभय जैन, अयाज अली, अर्जुन परिहार, अंकित गुप्ता.परमानंद तोलानी, एडवोकेट पंकज गुप्ता, मुदित चौरसिया, रवि सिरवेया और लविश खंडेलवाल। गौरतलब है कि सोमवार को अक्षय कांति बम ने विधायक रमेश मेंदोला के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर अपना नामांकन वापस ले लिया, जिसके बाद भाजपा के सामने मुख्य चुनौती खत्म हो गई। कांति द्वारा नामांकन वापस लिए जाने के बाद कुछ निर्दलीय और अन्य उम्मीदवार भी कलेक्टर कार्यालय पहुंचना शुरू हो गए और अपने-अपने नामांकन वापस लेने में जुट गए थे।

इंदौर में ऐसा पहली बार: इंदौर में 1951 से अब तक हुए लोकसभा चुनाव में हमेशा कांग्रेस लड़ती आई है। जिसमें से सात बार कांग्रेस ने चुनाव भी जीता है, लेकिन इस बार के चुनाव में पूरी तरह से मैदान छोड़ चुकी है। इंदौर में पहली बार 1991 में चुनाव हुए थे तब कांग्रेस के नंदलाल सूर्य नारायण ने चुनाव जीता था। इसके बाद से अब तक 17 बार इंदौर में लोकसभा चुनाव हुए हैं। जिसमें से सात बार कांग्रेस ने जीत दर्ज कर चुकी है, तो वहीं नौ बार भाजपा ने चुनाव जीता है। एक-एक बार जनता पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टी यहां चुनाव जीत चुकी है। भाजपा ने इंदौर में पहला चुनाव 1989 में जीता था, जब सुमित्रा महाजन ने मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री रहे प्रकाश चंद्र सेठी को हराया था, इसके बाद इंदौर भाजपा का गढ़ बन गया और महाजन आठ बार इंदौर से सांसद रहीं। 2019 में भाजपा ने शंकर लालवानी को प्रत्याशी बनाया, तब उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार को 5 लाख वोटों के अंतर से हराया था।

रेवजी रेंज में बीएसएफ के जवान ने खुद को मारी गोली

इंदौर। इंदौर के रेवजी रेंज में बीएसएफ के जवान ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। बाणगंगा टीआई लोकेश भदौरिया के मुताबिक घटना रविवार रात 8:30 बजे की है। धीरज मलाकार निवासी खंडवा ने अपनी राइफल से खुद को शूट कर लिया। धीरज ने अपने सिर पर राइफल की नली रख ट्रिगर दबा दिया। इस हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग धीरज के क्वार्टर में पहुंचे। यहां उसका शव पड़ा हुआ था।

शूटिंग की ट्रेनिंग भी देता था: धीरज चार साल पहले बीएसएफ में भर्ती हुआ था। वह 45वीं बटालियन में था। इसके बाद उसकी एक साल पहले शूटिंग रेंज में पोस्टिंग इंदौर में हो गई। इसके बाद वह यहां शूटिंग की ट्रेनिंग भी देता था। दोस्तों के मुताबिक शाम को सबसे धीरज ने नॉर्मल बात की थी।

कर्ज चुका नहीं पा रहा था: बीएसएफ के जवान की मौत के कर्ज से दबे होने की बात सामने आई है। उसने पारिवारिक कारणों के चलते कर्ज लिया था। जिसे वह चुका नहीं पा रहा था। टीआई भदौरिया के मुताबिक अभी परिवार के लोगों से बात नहीं हो पाई है। ताकि यह पता चल सके कि धीरज पर कितना कर्ज था। उसकी राइफल रात में ही पुलिस ने जब्त कर ली। पोस्टमार्टम के बाद धीरज का शव परिजनों को सौंप दिया गया।

परिजन से विवाद के बाद किसान ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

इंदौर। इंदौर के चंदन नगर में रहने वाले एक किसान ने फांसी लगाकर जान दे दी। परिवार के लोगों ने बताया कि किसान की साली की पोती ने लव मैरिज कर ली थी। इस बात को लेकर उनका विवाद हुआ। विवाद बढ़ा तो साली का पोता और लड़की घर तक पीटने आ गए। पहले कुएं में कूदकर जान देने की कोशिश की। पुलिस समझाकर चली गई। लेकिन अगले दिन गले में फंदा लगा लिया। चंदन नगर पुलिस के मुताबिक मेहरबान (45) पुत्र जगदीश राजपूत निवासी तलावली चांदा ने अपने घर में फांसी लगा ली। सुबह जब परिवार लोगों ने देखा तो एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे। मेहरबार पेशे से किसान थे।

स्मार्ट बाजार और JioMart ने फुल पैसा वसूल सेल के मई संस्करण की शुरूआत की।

पहली बार, स्मार्ट बाजार मई के महीने में अपनी सबसे लोकप्रिय बिक्री में से एक, फुल पैसा वसूल सेल लेकर आया है। 1 से 5 मई के बीच, रिटेल दिग्गज सभी स्मार्ट बाजार स्टोर्स और **JioMart** ऐप पर किराने का सामान, फैशन और घरेलू उत्पादों पर शानदार ऑफर दे रहा है।

स्मार्ट बाजार अब एक पूर्ण पारिवारिक गंतव्य है। फुल पैसा वसूल सेल सर्वोत्तम कीमतों और बचत का उत्सव है जिसका हम सभी को इंतजार रहता है। ऑफर का जादू ऐसा है कि जिन लोगों को सेल के बारे में जानने की कम से कम उम्मीद होती है, उन्हें भी सेल की तारीखें अच्छी तरह याद रहती हैं। इस विचार को स्मार्ट बाजार अभियान की टैगलाइन 'ऑफर इतने भारी, कि सबको रहे जानकारी' में खूबसूरती से दशार्या गया है। तो क्या आप फुल

पैसा वसूल सेल ऑफर चाहते हैं? 1 से 5 मई के बीच अपने नजदीकी स्मार्ट स्टोर पर जाएं या **JioMart** ऐप पर खरीदारी करें।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। **अधीर पिता नंदकिशोर गुप्ता**, झोन क्र. 08। खाता क्र. **1003271372 पता- 307 एम -1 सिंगापुर ग्रीन न्यू गैलेक्सी इंदौर** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **30.04.2024** से 07 सात दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 08 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

शहीद चन्द्रशेखर आजाद झोन झोनल अधिकारी व सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 08 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। **सौरभ पिता कमलेश देवानी**, झोन क्र. 08। खाता क्र. **1001011329 पता- 502 शेखर पेराडाइस निपानिया इंदौर** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **30.04.2024** से 07 सात दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 08 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

शहीद चन्द्रशेखर आजाद झोन झोनल अधिकारी व सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 08 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। **अमन पिता मोहनलाल खुराना**, झोन क्र. 08। खाता क्र. **1004401548 पता- 156 एमआर-5 महालक्ष्मी नगर इंदौर** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **30.04.2024** से 07 सात दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 08 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

शहीद चन्द्रशेखर आजाद झोन झोनल अधिकारी व सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 08 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। **नीना पति सुरेंद्र अग्रवाल**, झोन क्र. 08। खाता क्र. **1003121891 पता- 618 प्रिंसेस स्टेट लसुड़िया मोरी इंदौर** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **30.04.2024** से 07 सात दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 08 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

शहीद चन्द्रशेखर आजाद झोन झोनल अधिकारी व सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 08 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। **दीपशिखा पति धमेंद्र कुमार शर्मा**, झोन क्र. 08। खाता क्र. **100998508 पता- 190- बी अंसल टाउन तलावली इंदौर** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **30.04.2024** से 07 सात दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 08 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

शहीद चन्द्रशेखर आजाद झोन झोनल अधिकारी व सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 08 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। **सुनीता पति मंगलेश पंडित** , झोन क्र. 08। खाता क्र. **1001012951 पता- 33 दीप पैलेस कालोनी इंदौर** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **30.04.2024** से 07 सात दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 08 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

शहीद चन्द्रशेखर आजाद झोन झोनल अधिकारी व सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 08 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। **वर्षा त्यागी पति संदीप कुमार सिंह** , झोन क्र. 08। खाता क्र. **1001011848 पता- 310-एच सिल्वर नरीमन पॉइंट इंदौर** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **30.04.2024** से 07 सात दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 08 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

शहीद चन्द्रशेखर आजाद झोन झोनल अधिकारी व सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 08 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। **अनिकेत पिता रमण चौपड़ा**, झोन क्र. 08। **पता- 10 बी -अपटाउन अपोलो निपानिया इंदौर** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **30.04.2024** से 07 सात दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 08 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

शहीद चन्द्रशेखर आजाद झोन झोनल अधिकारी व सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 08 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है विक्रेता **श्रीमति अमृता बाई पति मानसिंह जी कटेरिया** पता **भवानी नगर इंदौर** , विक्रय पत्र के अनुसार झोन क्र. 17 वार्ड । इस जाहिर सूचना प्रकाशन **30.04.2024** से 07 सात दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 17 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 17 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है विक्रेता **श्रीमति रेखा संतोष मुकाती** पता **159 गणेश धाम कालोनी इंदौर** , पिन 1001287064 , विक्रय पत्र के अनुसार झोन क्र. 17 । इस जाहिर सूचना प्रकाशन **30.04.2024** से 07 सात दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 17 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 17 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्री पंकेश साहू पिता प्रकाश साहू, प्रकाश साहू पिता मदन लालजी साहू** झोन क्रमांक 5 राजस्व विभाग पर आवेदन के साथ रजिस्ट्री वसीयतनामा, वारिस नाते, दान पत्र अनुसार प्रस्तुत कर मकान/ प्लॉट **पता- 11 मंगल नगर एन.एक्स.बी. सुखलिया इन्दौर** पर नामांतरण चाहा गया है। पिन नं. **1003101774** इस जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक **30.04.2024** से सात दिवस की अवधि में किसी भी व्यक्ति बैंक संस्था व अन्य को उक्त संपति के नामांतरण पर आपत्ति हो तो जोन क्रमांक 5 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अवधि पश्चात वह बिना लेखी प्रमाण प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी जोन क्रमांक 5, इ.न.पा. नि. इंदौर

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्री मनीष चोरट पिता किशनराव चोरट** झोन क्रमांक 5 राजस्व विभाग पर आवेदन के साथ रजिस्ट्री वसीयतनामा, वारिस नाते, दान पत्र अनुसार प्रस्तुत कर मकान/ प्लॉट **पता- 149 कैलाशपुरी कॉलोनी इन्दौर** पर नामांतरण चाहा गया है। पिन नं. **1003806850** इस जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक **30.04.2024** से सात दिवस की अवधि में किसी भी व्यक्ति बैंक संस्था व अन्य को उक्त संपति के नामांतरण पर आपत्ति हो तो जोन क्रमांक 5 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अवधि पश्चात वह बिना लेखी प्रमाण प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी जोन क्रमांक 5, इ.न.पा. नि. इंदौर

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्री जयप्रकाश मिश्रा पिता ईश्वर दीन मिश्रा** झोन क्रमांक 5 राजस्व विभाग पर आवेदन के साथ रजिस्ट्री वसीयतनामा, वारिस नाते, दान पत्र अनुसार प्रस्तुत कर मकान/ प्लॉट **पता-152 तुषार ऐवेन्यु भानगढ़ इन्दौर** पर नामांतरण चाहा गया है। पिन नं. **1003017651** इस जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक **30.04.2024** से सात दिवस की अवधि में किसी भी व्यक्ति बैंक संस्था व अन्य को उक्त संपति के नामांतरण पर आपत्ति हो तो जोन क्रमांक 5 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अवधि पश्चात वह बिना लेखी प्रमाण प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी जोन क्रमांक 5, इ.न.पा. नि. इंदौर

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्री विकास पाटीदार पिता विष्णु पाटीदार ,श्रीमति ममता पाटीदार पति विष्णु पाटीदार** झोन क्रमांक 5 राजस्व विभाग पर आवेदन के साथ रजिस्ट्री वसीयतनामा, वारिस नाते, दान पत्र अनुसार प्रस्तुत कर मकान/ प्लॉट **पता-50 ए अभिनन्दन नगर कॉलोनी सुकल्या इन्दौर** पर नामांतरण चाहा गया है। पिन नं. **1000922747** इस जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक **30.04.2024** से सात दिवस की अवधि में किसी भी व्यक्ति बैंक संस्था व अन्य को उक्त संपति के नामांतरण पर आपत्ति हो तो जोन क्रमांक 5 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अवधि पश्चात वह बिना लेखी प्रमाण प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी जोन क्रमांक 5, इ.न.पा. नि. इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। **शांता बच्चुलाल नीमा जय नारायण नीमा** , पिन **1001246174** झोन क्र. 15। **पता- 575, गुमास्ता नगर इंदौर** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **30.04.2024** से 07 सात दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 15 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

झोनल अधिकारी व सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 15 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। **भारती देवी, संजय कुमार** , पिन **1001254701** झोन क्र. 15। **पता- 2 विनय नगर प्रकोष्ठ-202 सत्यम अर्पा. इंदौर** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **30.04.2024** से 07 सात दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 15 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

झोनल अधिकारी व सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 15 नगर पालिका निगम इंदौर

मृदुभाषी

सच्ची खबरें, सलीके के साथ

इंदौर | भोपाल से एक साथ प्रकाशित

facebook.com/mradubhashi twitter.com/mradhubhashi www.mradubhashi.com

इंदौर, मंगलवार, 30 अप्रैल 2024

नगर संस्करण, वर्ष: 04, अंक: 248, पृष्ठ : 08, मूल्य: 5.00 रुपए

ब्रीफ न्यूज़

राहुल आज भिंड में जनसभा को करेंगे संबोधित, 2 मई को मुरैना में प्रियंका

भोपाल। प्रदेश में लोकसभा चुनाव के तीसरे और चौथे चरण के लिए मतदान होना है। इसके लिए राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं का प्रदेश में जमावड़ा लगना जारी है। इसी क्रम में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी मंगलवार को कांग्रेस प्रत्याशी फूलसिंह बरैया के समर्थन में भिंड में रैली करेंगे। यह मौजूदा चुनाव में राहुल गांधी का मध्य प्रदेश का दूसरा दौरा है। इससे पहले राहुल गांधी पहले चरण की सीट पर प्रचार के लिए आठ अप्रैल को मंडला और शहडोल में रैली करने आए थे। वहीं, 21 अप्रैल को राहुल गांधी सतना आने वाले थे, लेकिन स्वास्थ्य खराब होने के चलते उनकी जगह कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे आए और जनसभा को संबोधित किया था। राहुल गांधी चुनाव के चौथे चरण में भी प्रदेश के दौरे पर रहेंगे। वे 6 मई को झाबुआ और 7 मई को बड़वानी दौरे पर रहेंगे। बता दें, झाबुआ और बड़वानी सीटों पर चौथे चरण में मतदान होगा। प्रदेश में चौथे चरण में 13 मई को 8 सीटों पर मतदान होगा। प्रदेश में पहले चरण और दूसरे चरण में छह छह कुल 12 सीटों पर मतदान हो चुका है। अब तीसरे और चौथे चरण में 17 सीटों पर मतदान होना है।

बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले की सीबीआई की जांच पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में सरकारी अधिकारियों के खिलाफ सीबीआई जांच पर रोक लगा दी। कोर्ट ने पूछा है कि क्या 25 हजार नियुक्तियों में से सही तरीके से किए गए टीचर्स के अपॉइंटमेंट को अलग किया जा सकता है? सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई 6 मई को करेगा। याचिका में कहा गया था कि हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी जाए, जिसमें सभी नियुक्तियों को रद्द कर दिया गया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि देखिए इसे किस तरह से किया गया है। ओएमआर शीट को पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया। जो लोग पैनल में नहीं थे, उन्हें रिक्रूट किया गया। यह फ्रॉड है। वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने हाईकोर्ट के फैसले पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि सभी नियुक्तियों को खारिज कर दिया गया है, जबकि सीबीआई को अब तक जांच में सिर्फ 8000 नियुक्तियों में खामियां मिली हैं। स्कूल सर्विस कमीशन ने भी कहा कि जो नियुक्तियां सही तरह से हो सकती थीं, उन्हें अलग किया जा सकता था। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 22 अप्रैल को 2016 में की गई 25 हजार 753 नियुक्तियों को रद्द कर दिया था। हाईकोर्ट ने इन शिक्षकों को 7-8 साल के दौरान मिली सैलरी 12% इंटरेस्ट के साथ लौटाने के निर्देश भी दिए हैं। इसके लिए कोर्ट ने 6 हफ्ते का समय दिया है।

कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के सामने लगे खालिस्तान जिंदाबाद के नारे

टोरंटो। कनाडा के टोरंटो में रविवार को खालसा दिवस और सिखों का नव वर्ष कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के संबोधन के दौरान खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए गए। भारत सरकार ने इस पर नाराजगी जताते हुए कनाडा के डिप्टी हाई कमिश्नर को विदेश मंत्रालय में तलब करके नाराजगी जाहिर की। विदेश मंत्रालय ने कहा- कनाडा के प्रधानमंत्री की मौजूदगी में खालिस्तान समर्थक नारे लगाए गए। इस तरह के कार्यक्रम को बेरोक-टोक करने की अनुमति दिया जाना चिंताजनक है। कनाडा में एक बार फिर अलगाववाद, उग्रवाद और हिंसा को राजनीतिक जगह दी गई है। यह गतिविधियां भारत-कनाडा संबंधों को प्रभावित करती हैं। साथ ही कनाडा में भारतीयों के साथ हिंसा के माहौल को बढ़ावा देती हैं। ट्रूडो ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वे कनाडा में रह रहे 8 लाख सिखों के अधिकारों और स्वतंत्रता की हमेशा रक्षा करेंगे। सिख कनाडा की सबसे बड़ी ताकतों में से एक हैं। हम अपने मतभेदों के बावजूद एकजुट हैं। जब हम इस विविधता को देखते हैं, तो हमें याद रखना चाहिए कि सिख समुदाय के मूल्य ही कनाडा के मूल्य हैं।

अमेठी लोकसभा से बीजेपी प्रत्याशी स्मृति ईरानी का नामांकन दाखिल कराने पहुंचे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री

अमेठी से भाग गया राजपरिवार प्रियंका भी भाग जाएंगी: सीएम

अमेठी। अमेठी लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी और सांसद स्मृति ईरानी ने सोमवार को अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समेत कई बड़े नेता मौजूद रहे। डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अमेठी में एक नया इतिहास बना है। जिस तरह से जनसैलाब आया है और मैं इसका साक्षी बना हूं, हमारी बहन स्मृति ईरानी जबरदस्त प्रत्याशी हैं। अब देखना है कि कांग्रेस किसे जबरदस्ती प्रत्याशी बनाकर लाती है? पहले इस सीट पर एक राजपरिवार लड़ता था, जो अब यहां से भाग गया है। राहुल की जगह प्रियंका गांधी को अमेठी से उम्मीदवार बनाने की संभावनाओं पर डॉ. यादव ने कहा कि वह भी भाग जाएंगी। सीएम डॉ मोहन यादव ने उत्तर प्रदेश के गौरीगंज में अमेठी लोकसभा से बीजेपी की प्रत्याशी स्मृति ईरानी का नामांकन दाखिल कराया। इससे पहले सीएम और स्मृति ईरानी ने रोड शो किया। रोड शो के दौरान नुक्कड सभा को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा- कि मेरे पूर्वज भी आजमगढ़ से मप्र गए थे। मैं अपनी धरती पर आया हूं। सुल्तानपुर में मेरी ससुराल है। यहां से मेरा जीवंत रिश्ता है।

कोई कांग्रेसी लड़ना नहीं चाहता अमेठी से

सीएम डॉ. यादव ने रोड शो के दौरान नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी ला-लाकर परेशान हैं। तू हां कर, तू हां कर, कोई हां करने को तैयार नहीं हैं। यहां अमेठी में कोई कांग्रेसी लड़ना ही नहीं चाहता। यहां बड़ी संख्या में यहां यदुवंशी भी रहते हैं। मैं सभी यदुवंशियों से कहना चाहता हूं कि आप सब बहुत भाग्यशाली हैं। 500 साल पहले भगवान कृष्ण ने धर्म के लिए पूरा जीवन कुर्बान किया था। पूरे जीवन में केवल धर्म की लड़ाई लड़ी। महाकाल लोक के पुजारी आशीष जी भी यहां मौजूद हैं। मेरे मन में भी कसक है आपके मन में भी कसक है जब राम जी का आनंद आ गया। हमारे बाबा महाकाल के महालोक का महाआनंद आ गया तो हमारे मथुरा वाले कृष्ण कन्हैया ने क्या बिगाडा। उनको भी मथुरा में आनंद आना चाहिए कि नहीं। भगवान कृष्ण भी हमारे आपके साथ मुस्कराएंगे।

पूरे देश में प्रचंड आंधी चल रही

अमेठी में भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी के नामांकन में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि मैंने पहले ही कहा था कि पूरा मध्यप्रदेश मोदी मय हुआ है। वर्तमान समय में पूरे देश में प्रचंड आंधी चल रही है। मध्यप्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने 29 सीटों पर कंप्रोमाइज किया था। 28 सीट कांग्रेस को दी, एक सीट समाजवादी ने ली। खजुराहो सीट पर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी ने नामांकन वापस लिया या जानबूझकर फॉर्म में त्रुटि की और सरेंडर किया। ताकि कलेक्टर के सिर पर आए और उन्होंने अपना फार्म विड्रोल किया। दूसरा घोषित रूप से इन्होंने कहा था कि प्रशासन ने गलती कर दी। यह कर दिया वो कर दिया। जबकि यह स्पष्ट कहा गया था कि जब कोई उम्मीदवार फॉर्म भर के हस्ताक्षर नहीं करता, एक जगह नहीं बल्कि दो-दो जगह साइन नहीं करता है तो इसका मतलब यह है कि वो चुनाव नहीं लड़ना चाहता। तब भी कांग्रेस और सारे लोगों ने कहा कि यह गलत किया।

चार करोड़ बढ़ी संपत्ति फिर भी कर्जदार स्मृति ईरानी

चुनावी मैदान में भाजपा से उतरीं स्मृति जूबिन ईरानी करोड़पति हैं। उनके पति जूबिन इरानी भी धनवान हैं। उन्होंने नामांकन पत्र में अपनी व पति की कुल संपत्ति का खुलासा किया है। स्मृति जूबिन ईरानी के पास कुल संपत्ति आठ करोड़ 75 लाख 24 हजार 296 रुपये दिखाई है। उनके पति की कुल संपत्ति आठ करोड 81 लाख 77 हजार 790 रुपये है। स्मृति के पति उनसे मालदार हैं और उन पर कोई कर्ज भी नहीं है। पिछले पांच सालों में स्मृति व उनके पति की संपत्ति भी बढ़ी है। पांच सालों में उनकी संपत्ति चार करोड़ चार लाख 22 हजार 348 रुपये बढ़ी है। जबकि उनके पति की संपत्ति में चार करोड़ 14 लाख 19 हजार 976 रुपये का इजाफा हुआ है। हालांकि स्मृति ईरानी कर्जदार भी हैं। उन्होंने नामांकन के दौरान दाखिल किए अपने हलफनामे में इसका खुलासा किया है। उनके ऊपर एचडीएफसी बैंक का 16 लाख 55 हजार 830 रुपये ऋण है। जबकि 2019 में दाखिल हलफनामे में उनके ऊपर कोई भी कर्ज नहीं था।

भोजशाला में सर्वे के लिए एएसआई को मिला आठ सप्ताह का समय

पांच जुलाई तक काम कर सकेगी टीम

इंदौर। हाईकोर्ट ने सोमवार को धार भोजशाला में सर्वे की समय सीमा बढ़ाने की मांग को मान लिया है। एएसआई को हाईकोर्ट ने सर्वे के लिए आठ सप्ताह का समय और दिया है। अब एएसआई सर्वे के बाद विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर सकेगा।

हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों के तर्क सुने और फिर एएसआई को सर्वे के लिए 5 जुलाई तक का समय दिया। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से सोमवार को हुई सुनवाई में सीनियर एडवोकेट विष्णुशंकर जैन (नई दिल्ली) और विनय जोशी ने हाईकोर्ट में तर्क रखे। एएसआई का कहना है कि वर्तमान ढांचे को सुरक्षित रखते हुए सर्वे करने में अधिक समय लग रहा है। इसलिए हमने अतिरिक्त समय मांगा है।

यह है पूरा विवाद

जिला प्रशासन की वेबसाइट के अनुसार भोजशाला राजा भोज ने बनवाई थी। यह यूनिवर्सिटी थी, जिसमें वाग्देवी की प्रतिमा स्थापित की गई थी। मुस्लिम शासक ने इसे मस्जिद में परिवर्तित कर दिया था। भोजशाला में मंगलवार को हिंदू पक्ष को पूजा-अर्चना करने की अनुमति है। शुक्रवार को मुस्लिम पक्ष को नमाज पढ़ने के लिए दोपहर 1 से 3 बजे तक प्रवेश दिया जाता है। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस ने 1 मई 2022 को इंदौर हाईकोर्ट में यह याचिका दायर की थी। इसमें कहा गया था कि हर मंगलवार को हिंदू भोजशाला में यज्ञ कर उसे पवित्र करते हैं और शुक्रवार को मुसलमान नमाज के नाम पर यज्ञ कुंड को अपवित्र कर देते हैं। इसे रोका जाए।

अब जीपीआर मशीन का होगा इस्तेमाल

एएसआई के मुताबिक सर्वे में अब जीपीआर मशीन इस्तेमाल किया जाएगा। इस मशीन के लिए नेशनल ज्योग्राफिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट आफ इंडिया (एनजीआरआई) से संपर्क किया है। वहां से अनुमति मिलते ही मशीन से सर्वे शुरू हो जाएगा। यह अत्यंत धीमी प्रक्रिया है। इसलिए उसने आठ सप्ताह का अतिरिक्त समय मांगा है।

अमेठी और रायबरेली पर अंतिम फैसला लेंगे खड़गे

नई दिल्ली। रायबरेली और अमेठी में नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। भाजपा की तरफ से स्मृति ईरानी ने सोमवार को अमेठी से नामांकन भी दाखिल कर दिया। दूसरी तरफ कांग्रेस का इस सीट पर चेहरा कौन होगा इसका फैसला पार्टी अभी तक नहीं ले सकी है। ऐसा माना जा रहा है कि राहुल गांधी ही यहां से प्रत्याशी होंगे। अमेठी के साथ रायबरेली सीट पर भी अटकलों का बाजार गर्म है। इधर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने सोमवार को कहा कि केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अमेठी और रायबरेली सीटों पर उम्मीदवारों का फैसला करने के लिए अधिकृत किया है। इन दोनों सीटों से राहुल गांधी और

प्रियंका गांधी वाड्रा के चुनाव लड़ने की अटकलें लगाई जा रही हैं। उत्तरप्रदेश कांग्रेस पार्टी ने भी राहुल और प्रियंका को इन दोनों सीटों से चुनाव लड़ाने का अनुरोध किया है। एक सवाल के जवाब में श्रीनेत ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष पर प्रत्याशियों का नाम तय करने का फैसला छोड़ा गया है। चुनाव छिपकर नहीं बल्कि सार्वजनिक रूप से होते हैं। जब प्रत्याशियों का एलान किया जाएगा तो सभी को पता चल जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी में इस तरह के फैसले दो लोग बंद दरवाजे में नहीं लेते। अमेठी लोकसभा के मीडिया संयोजक अरविंद चतुर्वेदी कहते हैं कि चुनाव को लेकर पूरी तैयारी है। हर स्तर पर कार्यकर्ता तैयार है। जल्द ही प्रत्याशी सामने आ जाएंगे। तीन मई को प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय अमेठी आ रहे हैं। इसको लेकर संगठन के कार्यकताओं को जिम्मेदारी दे दी गई है।

भोपाल ननि अपर आयुक्त समेत तीन अधिकारियों को हटाने के आदेश

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने राज्य शासन को तीन अधिकारियों के तत्काल स्थानांतरण आदेश जारी करने के आदेश दिए है। राजन ने भोपाल नगर निगम में लगातार वर्ष 2020 से पदस्थ अपर आयुक्त वित्त गुणवंत सेवतकर और भोपाल जिले में पदस्थ अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग विनोद कुमार श्रीवास्तव, भोपाल संसदीय क्षेत्र से इंडियन नेशनल कांग्रेस के अभ्यर्थी अरूण कुमार श्रीवास्तव के बड़े भाई हैं और हंस कुमार झिंझोर थाना प्रभारी यातायात जिला बुरहानपुर को 6 वर्ष से अधिक जिले में पदस्थापना के कारण स्थानांतरण तत्काल करने के निर्देश दिये गये हैं। बता दें पूर्व में मुरैना जिले में लगातार 6 वर्षों से पदस्थ रोहित सिंह (प्रभारी यातायात), थाना प्रभारी (जीआरपी थाना) ग्वालियर पंकज दीवान की पदस्थापना उनके गृह जिले ग्वालियर में ही होने के कारण, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद भौंरासा जिला देवास सविता सोनी की एक ही जिले में 3 वर्ष अधिक समय से पदस्थापना होने के कारण, बलराम सिंह तोमर एसआई क्राइम ब्रांच इंदौर को सात वर्ष से लगातार पदस्थापना, सोनाली गुप्ता उपनिरिक्षक पुष्पराजगढ़ को जिला अनुपपूर में पदस्थापना 6 वर्ष होने के कारण, शिवकुमार सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को गृह जिला उमरिया होने के कारण, यू एन मिश्रा प्रभारी जिला अधिकारी दतिया, मनीष उदैनिया प्रभारी कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग दतिया को शिकायत के आधार पर, देवेन्द्र तिवारी जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम रीवा, अपूर्वा सक्सेना सीईओ जनपद पंचायत बैतूल को पदस्थापना 3 वर्ष से अधिक होने के कारण, महेन्द्र वशिष्ठ मुख्य नगर पालिका अधिकारी नीमच, निखिलेश चिंतामन प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी खातेगांव जिला देवास, अनिल इनवाती उप यंत्री आरईएस उमरिया, रितेश चौहान सीईओ जनपद पंचायत परसवाड़ा जिला बालाघाट, सुशील पटेल थाना प्रभारी टिमरनी जिला हरदा और रामानुज मिश्रा प्रभारी सीएमओ नगर परिषद शाहगंज को शिकायतों एवं अन्य कारणों से स्थानांतरित किया जा चुका है।

असली मौसम | एमपी में बारिश का सिस्टम पड़ा कमजोर, आज से दिन-रात के तापमान में होगी बढ़ोतरी

मप्र में गर्मी ने दिखाए तेवर, छह शहरों का पारा 42 डिग्री के पार हुआ

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर/भोपाल। इंदौर सहित पूरे मध्यप्रदेश में बारिश का सिस्टम अब कमजोर पड़ गया है। इसके चलते गर्मी ने तेवर दिखाना शुरू कर दिए हैं। सोमवार को प्रदेश के 6 शहरों में तापमान 42 डिग्री के पार पहुंच गया। रीवा प्रदेश में सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 42.4 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेशभर में तापमान में एक डिग्री से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई। वहीं, बालाघाट में 6.6 डिग्री तापमान बढ़ा। जबलपुर, रीवा, सतना, दमोह, खंडवा और खजुराहो में तापमान 42 डिग्री या इसके पार पहुंच गया। भोपाल में टेम्प्रेचर 40.8 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले महीने मई में 47 डिग्री तापमान पहुंचने की संभावना जताई है।

मई की शुरुआत तेज गर्मी से होगी: आईएमडी भोपाल के वैज्ञानिक प्रकाश धावले के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन गुजरने से बने सिस्टम का असर कम हो जाएगा। 30 अप्रैल से दिन-रात के टेम्प्रेचर में बढ़ोतरी होगी।

22 शहरों में तापमान 40 डिग्री से ज्यादा

सोमवार को भोपाल, ग्वालियर समेत 22 शहरों में तापमान 40 डिग्री से ज्यादा रहा। भोपाल में 40.8 डिग्री, ग्वालियर में 41.1 डिग्री, जबलपुर में 42.2 डिग्री, खजुराहो में 42 डिग्री, खंडवा में 42.1 डिग्री, दमोह में 42.2 डिग्री, सतना में 42.3 डिग्री, रीवा में 42.4 डिग्री, मलाजखंड में 40 डिग्री, रतलाम में 40.2 डिग्री, सागर में 40.3 डिग्री, धार में 40.4 डिग्री, नर्मदापुरम में 40.5 डिग्री, नौगांव में 40.7 डिग्री, गुना में 40.8 डिग्री, शिवपुरी में 41 डिग्री, मंडला में 41 डिग्री, उमरिया में 41.3 डिग्री, टीकमगढ़ में 41.5 डिग्री, सीधी में 41.6 डिग्री और नरसिंहपुर में पारा 41.7 डिग्री दर्ज किया गया।

मई में कुछ शहरों का पारा 45 से 47 डिग्री होगा

मौसम विभाग के अनुसार, मई महीने में कुछ शहरों में तापमान 45 से 47 डिग्री तक भी पहुंच सकता है। हीट वेव भी चलेगी। इस बीच यदि वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होता है और बारिश का सिस्टम बनता है, तो टेम्प्रेचर में थोड़ी कमी भी आ सकती है। सबसे ज्यादा गर्मी ग्वालियर-चंबल में रहेगी। वहीं, नौगांव, छतरपुर, शिवपुरी, निवाड़ी, खरगोन, बड़वानी, राजगढ़, शाजापुर, शिवपुरी, श्योपुरकलां, नरसिंहपुर समेत कई जिलों में भी गर्मी बढ़ेगी।

इस आम चुनाव में बागी किस हद तक समीकरण बिगाड़ेंगे?

> चुनाव लड़ने और सांसद, विधायक बनने की महत्वाकांक्षा औसत राजनीतिक कार्यकर्ता के भीतर होती है, नतीजतन लोकसभा चुनाव में भी 300 से अधिक बागी उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। यह आंकड़ा कम-ज्यादा भी हो सकता है, क्योंकि बागियों की अधिकृत सूचना चुनाव आयोग जारी नहीं करता।

आम चुनाव, 2024 के संदर्भ में बागी उम्मीदवारों की भी चर्चा की जानी चाहिए। बागी उम्मीदवार किसी भी पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र के अभाव के संकेत होते हैं। राजनीतिक दल अपने ही नेताओं, प्रत्याशियों की राजनीतिक बगावत के कारण दोफाड़ तक हो जाते हैं। जनाधार विभाजित हो जाते हैं। काडर और समर्थक भी बंट जाते हैं, लेकिन कई बार यह बगावत अपरिहार्य लगती है। चुनाव लड़ने और सांसद, विधायक बनने की महत्वाकांक्षा औसत राजनीतिक कार्यकर्ता के भीतर होती है, नतीजतन लोकसभा चुनाव में भी 300 से अधिक बागी उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। यह आंकड़ा कम-ज्यादा भी हो सकता है, क्योंकि बागियों की अधिकृत सूचना चुनाव आयोग जारी नहीं करता। पार्टियों में बागी चेहरे तभी सामने आते हैं, जब पार्टियों की चुनाव समिति किसी और को उम्मीदवार घोषित करती है और कई बार स्थापित नेताओं और जनप्रतिनिधियों के भी टिकट काट दिए जाते हैं। भाजपा ने एक-तिहाई सांसदों को इस बार अधिकृत उम्मीदवार घोषित नहीं किया है, लेकिन पार्टी कर्नाटक की शिमोगा सीट को लेकर चिंतित है। कर्नाटक के प्रख्यात नेता येदियुरप्पा के पुत्र एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेन्द्र के सामने, शिमोगा सीट पर, के. एस. ईश्वरप्पा निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं।

कभी ईश्वरप्पा राज्य सरकार में उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री होते थे। वे आरएसएस के बहुत पुराने कार्यकर्ता रहे हैं। भाजपा ने उन्हें बदल कर विजयेन्द्र को अवसर देने का फैसला किया, लेकिन ईश्वरप्पा अचानक बागी हो गए। फिलहाल भाजपा नेतृत्व ने उन्हें 6 साल के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया है। मौजू सवाल यह है कि ऐसे बागी उम्मीदवार के कारण भाजपा को चुनावी नुकसान हुआ, तो क्या होगा? एक-एक सांसद बेहद कीमती होता है, तभी 370 या 400 की संख्या तक पहुंचना संभव होगा। राजस्थान की बाड़मेर सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार रवीन्द्र भाटी की खूब चर्चा है। उन्होंने निर्दलीय ही विधानसभा चुनाव, 2023 जीता था, तो वे भाजपा के करीब आए थे, लेकिन चुनाव समिति ने कैलाश चौधरी को टिकट दे दिया। अब रवीन्द्र भाटी निर्दलीय ही व्यापक जन-समूह को आकर्षित कर रहे हैं। स्थानीय मुद्दों से जनमत तैयार कर रहे हैं। उन्हें चुनावी चंदा भी खूब मिल रहा है। राजस्थान की चुरू सीट पर भी भाजपा में बागी पैदा हुआ है। वहां से भाजपा के राहुल कस्वां सांसद चुने गए थे। पार्टी ने इस बार पैरालंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी देवेन्द्र झाझरिया को अधिकृत उम्मीदवार बनाया, तो राहुल बागी होकर कांग्रेस में चले गए और कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव नतीजे की भविष्यवाणी हम नहीं करते, लेकिन भाजपा को कुछ नुकसान जरूर हो सकता है। राजस्थान में ही कांग्रेस के कार्यकर्ता अपने ही गठबंधन नेता के खिलाफ अभियान क्यों चला रहे हैं। बांसवाड़ा-डूंगरपुर सीट इंडिया गठबंधन के तहत बीएपी के हिस्से दी गई थी, लेकिन कांग्रेस के नाराज उम्मीदवार ने भी मैदान नहीं छोड़ा। अंजाम क्या होगा, सभी राजनीतिक विश्लेषक जानते हैं। महाराष्ट्र में अमरावती सीट पर 2019 में निर्दलीय उम्मीदवार नवनीत राणा जीती थीं। इस बार भाजपा ने उन्हें अपना अधिकृत प्रत्याशी बना लिया। महायुति के स्थानीय नेता भी नाराज हैं और बागियों का उतरना भी तय है।

ऐसे बागियों की सूची लंबी है। बेशक पार्टियां बागी नेताओं को मनाती हैं। उन्हें नामांकन न भरने या उसे वापस लेने को पुचकारती हैं। पार्टी के भीतर कुछ देने का आश्वासन भी दिया जाता है। इस संदर्भ में सफलता-दर बहुत कम है। बागियों को इतने वोट तक मिल जाते हैं कि वे या तो जीत के फासले के करीब पहुंच जाते हैं अथवा अधिकृत प्रत्याशी को पराजित कर देते हैं।

वोटर को रिझाने की जगह डराने का खेल

अजय बोकिल

> हकीकत में राजनेता अब मतदाता को रिझाने की जगह उसे डराने के खतरनाक खेल पर उतर आए हैं। कहीं मतदाता को आरक्षण खत्म करने और संविधान बदल डालने के नाम पर डराया जा रहा है तो कहीं महिला मतदाता से सम्पत्ति के समान वितरण के नाम पर मंगलसूत्र तक छीन लेने और हिंदुओं की आय को मुसलमानों में बांट देने की बात कही जा रही है।

लोकसभा चुनाव के लगातार दूसरे चरण में भी मतदान प्रतिशत घटने से राजनीतिक दलों का आत्मविश्वास डगमगाने लगा है। पार्टियों को अब ऐसे क्लिक करने वाले मुद्दे की तलाश है, जो वोटर को पोलिंग बूथ तक खींच कर ला सके। कम होते वोटिंग के साथ-साथ मुद्दों की शिफ्टिंग भी साफ तौर पर परिलक्षित होने लगी है। विकास और कुछ बड़ा करने के दावे अब हाशिए पर हैं।

हकीकत में राजनेता अब मतदाता को रिझाने की जगह उसे डराने के खतरनाक खेल पर उतर आए हैं। कहीं मतदाता को आरक्षण खत्म करने और संविधान बदल डालने के नाम पर डराया जा रहा है तो कहीं महिला मतदाता से सम्पत्ति के समान वितरण के नाम पर मंगलसूत्र तक छीन लेने और हिंदुओं की आय को मुसलमानों में बांट देने की बात कही जा रही है। इसकी व्यावहारिकता और सच्चाई पर कोई नहीं जा रहा है।

चुनाव के कुरूक्षेत्र में भिड़ी दोनो राजनीतिक गठबंधनों की सेनाएं अब अपना- अपना वोट बैंक किसी भी कीमत पर बचाने में लगी हैं। लेकिन मतदाता राजनेताओं और राजनीतिक दलों की इस ड्रामेबाजी से मन ही मन खिन्न नजर आता है, शायद यही कारण है कि प्रलोभनों की बारिश और भयादोहन की पराकाष्ठा के बीच वह घर बैठना ही ज्यादा बेहतर समझ रहा है। भाव यह है कि किसी को भी वोट देने से फायदा क्या? हमाम में सभी निर्लज्ज और झूठे हैं।

यूं हर चुनाव में मतदान प्रतिशत की घट-बढ़ नई बात नहीं है और वोटों की यह कमी बेशी कभी सत्ता की वापसी तो कभी बेदखली के रूप में सामने आती है। वोट प्रतिशत के घटने बढ़ने का हार जीत से कोई सीधा रिश्ता नहीं है। यहां ऊंट किसी भी करवट बैठ सकता है। हालांकि चुनाव आयोग भी लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदाता की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी को लेकर कई तरह से कोशिश करता है ताकि चुनाव नतीजों की साख अधिकाधिक बढ़े।

राजनीतिक दल भी अपने पक्ष में वोट डलवाने के लिए पूरी कोशिश करते हैं, क्योंकि वोटों की संख्या ही सियासी रण में विजेता का फैसला करती है। लेकिन इस बार वोटर ही बहुत ज्यादा उत्साहित नहीं दिख रहा है, इसके पीछे जो कारण गिनाए जा रहे हैं, उन्हें राजनीतिक मनोविज्ञानी, समाजशास्त्री और चुनावी रणनीतिकार भी समझने की कोशिश कर रहे हैं।

इधर कुछ तर्क सामने भी आए हैं जिनमें गर्मी ज्यादा होने, एक वर्ग द्वारा मतदान दिवस की छुट्टी को पिकनिक डे के रूप में मनाने, भाजपा शासित ज्यादातर राज्यों में चुनावी माहौल एकतरफा होने का नरेटिव बनने, नई सरकार बनाने या बदलने के प्रति मतदाता के अप्रतिबद्ध होने, भाजपा नेताओं द्वारा चुनाव के पहले ही 4 सौ पार का नारा देकर चुनाव नतीजों की प्री सेटिंग करने से भाजपा के वोटर द्वारा चैन की नींद सोने, विपक्ष के एकजुट होने के बाद भी नेतृत्वविहीन होने तथा सत्ता परिवर्तन के लिए ऐसा कोई आंतरिक बल या प्रेरणा का अभाव जो मतदाता को पोलिंग बूथ तक जाने के लिए विवश करे आदि शामिल है।

दरअसल, इस लोकसभा चुनाव के पहले राजनेताओं ने जिस तरह गर्वोक्तियां की थी, उससे लग रहा था कि इस बार मतदान के दौरान कोई सुनामी आने वाली है, जो या तो मोदी सरकार के पक्ष में होगी या फिर उसके विरोध में। लेकिन मतदान के जो आंकड़े आ रहे हैं, उससे सुनामी तो क्या बरसाती नदी की मौसमी बाढ़ का भी अहसास नहीं हो रहा। हालत यह है कि 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में पहले चरण में 102 सीटों पर हुए मतदान में औसतन 4.4 फीसदी की गिरावट आई तो दूसरे चरण में यह कमी और बढ़कर 7 फीसदी तक जा पहुंची।

बावजूद इसके कि मप्र में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य के मंत्रियों को साफ चेतावनी दे दी थी कि वोटिंग घटा तो उनकी कुर्सी भी जाएगी। इसका भी वोटरो पर कोई असर नहीं हुआ, अब मप्र में किस किस मंत्री की कुर्सी जाएगी, लोग इस पर चर्चा में ज्यादा रस ले रहे हैं बजाए इसके कि वोटिंग कैसे बढ़े। हालांकि मतदान के पांच चरण अभी बाकी हैं, लेकिन अगर वोटिंग ट्रेंड नहीं बदला तो सियासी दलों के चुनावी गणित गड़बड़ा सकते हैं।

मतदाता जो भी सोच रहा हो, राजनीतिक दलों ने इस उदासीनता को तोड़ने के लिए वोटर को रिझाने, मनाने की बजाए डराने के नुस्खे पर काम शुरू कर दिया है। इसकी शुरुआत पहले विपक्ष की तरफ से हुई। कहा गया कि भाजपा और एनडीए को 4 सौ पार का बहुमत इसलिए चाहिए कि देश के संविधान को बदला जा सके। हालांकि कोई यह बताने की स्थिति में नहीं है कि संविधान बदलने का निश्चित अर्थ और विषयवस्तु क्या है। संविधान में संशोधन का प्रावधान पहले ही से है।

संविधान के मूल ढांचे में बदलाव नहीं किया जा सकता, यह कोर्ट का फैसला है। अगर भाजपा इसे बदलना भी चाहे तो क्या बदलेगी? दबी जबान से यह बात फैलाई जा रही है कि संविधान नए सिरे से लिखा जाने वाला है, जो मनुस्मृति पर आधारित होगा। लेकिन जब यह देश ईवीएम से बैलेट पेपर पर वापस जाने के लिए तैयार नहीं है तब संविधान को ढाई हजार साल पुरानी मनुस्मृति के आधार पर पुनर्लेखन की बात महज सियासी शोशेबाजी है। दूसरा डर है आरक्षण खत्म करने का। भाजपा भारी बहुमत में आएगी तो आरक्षण का खत्म होगा। खासकर दलितों और आदिवासियों का। यह भी देश के लोकतांत्रिक तकाजों और विवशताओं के चलते असंभव है। इसके पहले विपक्षी दल अल्पसंख्यकों और खासकर मुसलमानो को सीएए और एनआरसी पर डराते आ ही रहे हैं। जबकि सीएए तो नागरिकता छीनने का नहीं, देने का कानून है। मकसद यही कि किसी तरह वोटों की गोलबंदी मजबूती से हो।

दूसरी तरफ विकास और देश को विश्वगुरु बनाने के दावे अब आर्थिक न्याय-अन्याय के बीहड़ों में छटपटाते नजर आ रहे हैं। इसकी शुरुआत तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही की। उन्होंने कांग्रेस घोषणा पत्र में आर्थिक समानता के वादे को उलटाते हुए मतदाताओं और खासकर हिंदू मतदाताओं को डराया कि कांग्रेस सभी का आर्थिक सर्वेक्षण कराके तमाम हिंदुओं की सम्पत्ति हड़प कर मुसलमानों में बांट देगी।

क्या यह संभव है? जब 600 साल के मुस्लिम शासन में यह मुमकिन न हो सका तो कांग्रेस जो खुद ही अपने अस्तित्व के लिए जूझ रही है, 80 फीसदी हिंदुओं की सम्पत्ति छीनकर मुसलमानों को बांटने का क्या खाकर दुस्साहस करेगी और क्या हिंदू ऐसा होने देंगे? प्रधानमंत्री ने इस सम्पत्ति के बंटवारे में मंगलसूत्र का इमोशनल धागा भी पिरोया कि कांग्रेस पावर में आई तो सधवाओं के मंगलसूत्र भी छिन जाएंगे।

हिंदू विवाहित महिलाओं द्वारा सुहाग के प्रतीक मंगल सूत्र पहनने की प्रथा देश में मुख्य रूप से महाराष्ट्र और कर्नाटक में है। गुजरात में भी हो सकती है, लेकिन देश के बाकी हिस्सो में विवाहित महिलाए आमतौर सोने की चेन, जिसमें पेंडेंट लटका होता है ही पहनती हैं, इसलिए मंगलसूत्र बचाने की अपील कितनी कारगर होगी, कहना मुश्किल है। इसी तरह मामला विरासत कर का भी है। अमेरिका के कुछ राज्यों में प्रचलित विरासत कर (इनहेरिटेंस टैक्स) भारत में लागू करने का सुझाव अमेरिका में रह रहे कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने दिया था। जबकि कांग्रेस ने इससे खुद को अलग कर लिया है। लेकिन भाजपा इस सुझाव को भी कांग्रेस के ह्यसंकल्प के रूप में पेंट कर रही है। इस देश में लोग अमूमन सामान्य कर भी देने में आनाकानी करते हैं, वो विरासत कर जैसा काल्पनिक कर देने की उदारता क्योंकर दिखलाएंगे?

जाहिर है कि चुनाव प्रचार अब जमीनी मुद्दों के बजाए हवाई मिसाइल अटैक पर ज्यादा फोकस होता जा रहा है। ये ऐसी बातें हैं, जिनका आम मतदाता की जिंदगी और आकांक्षाओं से खास सम्बन्ध नहीं है। भाजपा यह जताने की कोशिश कर रही है कि कांग्रेस का राज मतलब मुसलमानों की हुकुमशाही तो भाजपा को फिर से सत्ता सौंपने का अर्थ हिंदुओं की तानाशाही है। यानी पूरा नरेटिव अर्ध सत्य पर चल रहा है। अगर तीसरे चरण में भी मतदान का औसत नहीं सुधरा तो हमे सियासत के और घटिया तथा भ्रामक नमूने देखने को मिल सकते हैं। जो सत्ता की रस्साकशी में जो हो रहा है, वह कम से कम लोकतंत्र के लिए स्वास्थ्यप्रद कतई नहीं है। आगे आगे देखिए, होता है क्या?

स्पेशल

किसी के दिमाग में एक विचार को जन्म दे सकती है हेट स्पीच

इंद्रजीत हजरा

अगर कोई चीज दिखने में बत्तख जैसी लगती है, तैरती भी बत्तख की तरह है और आवाज भी बत्तख की निकालती है, तो फिर भी ये हो सकता है कि वो असल में बत्तख ना हो! यही बात नफरती भाषणों पर भी लागू होती है। चुनावों के दौरान नेता अक्सर भड़काऊ और गलत मतलब वाली बातें कर देते हैं। ये बातें सुनकर देश के लोग थोड़ा परेशान तो होते हैं, लेकिन ज्यादातर मामलों में नेता बाद में सफाई दे देते हैं कि उनके शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया या फिर गलत समझा गया। बाद में माफी मांगने से कुछ नहीं होता। एक बार जो बात कह दी वो वापस नहीं ली जा सकती। अहम बात यह है कि हेट स्पीच किसी के दिमाग में एक विचार को जन्म दे सकती है।

चुनाव आयोग ने एक सख्त कदम उठाते हुए, गलती करने वालों के लिए माफी मांगने का रास्ता बंद कर दिया है। चुनाव आयोग ने लोक प्रतिनिधित्व कानून की धारा 77 का इस्तेमाल किया है और पार्टी अध्यक्षों को जिम्मेदारी दी है कि वे अपने पार्टी के स्टार प्रचारकों को नियंत्रण में रखें। आयोग ने यह भी कहा है कि राजनीतिक पार्टी के उच्च पदों पर बैठे लोगों के चुनाव प्रचारों का जनता पर ज्यादा गंभीर असर पड़ता है। अब हम इस बात को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं कि जेपी नड्डा, नरेंद्र मोदी के साथ बैठेंगे और कहेंगे बॉस, थोड़ा संभाल के। उसी तरह मल्लिकार्जुन खड़गे भी राहुल गांधी से बात करेंगे। शायद ये उन्हें याद दिलाने के लिए होगा कि राहुल गांधी वाकई में पार्टी के स्टार प्रचारक हैं। हो सकता है कि रॉबर्ट वाड्रा भी खड़गे के दफ्तर के बाहर इंतजार कर रहे हों, यह सोचकर कि वे भी स्टार प्रचारक हैं। पार्टी अध्यक्षों को उनकी पार्टी के अनाम स्टार प्रचारकों को नियंत्रित करने के लिए कहकर, चुनाव आयोग ने सभी उच्च पदों पर बैठे लोगों को जिम्मेदार ठहराया है। यह एक चालाक तरीका है।

जब प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले हफ्ते राजस्थान में एक रैली में कांग्रेस के सत्ता में आने पर देश के संसाधनों को घुसपैठियों और अधिक बच्चे पैदा करने वालों में बांटने के बारे में बात की, तो वे मेरे स्थानीय नेपाली मोमो मैन रंजीत या मेरे दिवंगत परदादा-परदादी के बारे में बात नहीं कर रहे थे, जिन्होंने 11 बच्चों को जन्म दिया था, जो कांग्रेस के शासन में दूसरों की कीमत पर अमीर बनने की संभावना रखते हैं। हालांकि, एम शब्द का सीधा उल्लेख न करके वो अपने भाव जनता तक पहुंचा रहे थे। यह उनकी मंशा को साफ जाहिर कर रहा था। शायद तभी चुनाव आयोग के पास इसे स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। राहुल गांधी भी जांच के दायरे में थे। उनकी मौखिक चूक में भारत में गरीबी बढ़ने के बारे में झूठे दावे करना और उत्तर-दक्षिण विभाजन को बढ़ावा देना शामिल था।

चुनाव प्रचार के गलत तरीकों की बात करें तो, ऐसा लगता है कि हेट स्पीच सबसे बड़ी समस्या नहीं है। इसकी परिभाषा स्पष्ट नहीं है और इसे बदला जा सकता है, लेकिन आम तौर पर इसका मतलब किसी समूह या समुदाय के प्रति नफरत की भावना पैदा करने वाला भाषण होता है। चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला पर भाजपा सांसद हेमा मालिनी के बारे में अशोभनीय टिप्पणियों के लिए 48 घंटे का प्रचार प्रतिबंध लगाया था।आयोग ने उनके बयान को महिलाओं का अपमान माना और इस वजह से प्रतिबंध लगाया, न कि नफरती भाषण की कैटेगिरी में बैन लगाया। तो क्या ये वाकई नफरती भाषण नहीं था?

पिछले साल, तमिलनाडु के डीएमके मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से की थी, जिन्हें खत्म करने की जरूरत है। यह सीधी और स्पष्ट रूप से हेट स्पीच का एकदम साफ उदाहरण था। पिछले महीने, कर्नाटक में एक दुकानदार की हनुमान चालीसा बजाने की वजह से पिटाई की खबरों के बाद, बीजेपी मंत्री शोभा करंदलाजे ने मीडिया से कहा, तमिलनाडु के लोग यहां (कर्नाटक) आते हैं, यहीं ट्रेनिंग लेते हैं और यहीं बम रखते हैं। बेंगलुरु में 1 मार्च को हुए आईईडी धमाके का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, दिल्ली से एक आदमी आकर विधान सौधा में पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाता है। केरल से एक आदमी आकर कॉलेज स्टूडेंट्स पर तेजाब फेंकता है। ये सरकार अल्पसंख्यकों की रक्षा कर रही है और हिंदू विरोधी है। ये सब नफरत फैलाने वाली बातें हैं। इस तरह के बयानों को राजनीति से जोड़ने पर मामला गंभीर होता है।

1984 में, इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए सिख विरोधी दंगों के बाद एक चुनावी रैली में एक प्रधानमंत्री ने लोगों से कहा, जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है, तो जमीन हिल जाती है। इस बात को आमतौर पर और सही मायने में, दंगों को सही ठहराने के रूप में लिया गया था। लेकिन यह वाक्य दो अर्थों वाला था। धरती थोड़ी हिलती है को शायद दुख जताने के तौर पर भी माना जा सकता था। लेकिन चुनाव आयोग ने राजीव गांधी को या किसी भी बड़े नेता को हेट स्पीच के लिए कोई सजा नहीं दी। गौर करने वाली बात ये है कि अब चुनाव आयोग बड़े नेताओं के प्रभाव में नहीं आता है, जिसे अच्छी बात माना जाना चाहिए।

370 हटने के बाद दिलचस्प हुआ कश्मीर का पहला लोकसभा चुनाव

डॉ. बृजेश कुमार सिंह

अनुच्छेद 370 हटने के बाद पहली बार हो रहे लोकसभा चुनाव में कश्मीर में मुकाबला काफी दिलचस्प हो गया है। भाजपा लड़ाई में नहीं है, लेकिन मैदान से बाहर रहने के बाद भी वह केंद्र में है। कश्मीर की राजनीति में चार मोर्चे बन गए हैं। एक मोर्चा इंडिया गठबंधन का है जिसमें नेकां और कांग्रेस मिलकर चुनाव मैदान में हैं। दूसरा मोर्चा नेकां को रोकने के लिए अपनी पार्टी और पीपुल्स कांफ्रेंस का बना है। इस मोर्चे ने कई अन्य प्रभावशाली लोगों का समर्थन पाने में सफलता पाई है। पीडीपी अकेले चुनाव मैदान में है जिनके निशाने पर भाजपा और नेकां है। चौथा मोर्चा गुलाम नबी आजाद की नई पार्टी डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) का है जिसने दो प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं।

नेकां और पीडीपी तीन सीटों पर मैदान में है तो अपनी पार्टी- दो, डीपीएपी-दो और पीपुल्स कांफ्रेंस ने एक सीट पर चुनाव लड़ने का एलान किया है। भौगोलिक दृष्टि से कश्मीर तीन हिस्सों में बंटा हुआ है। इनमें दक्षिण, मध्य व उत्तर कश्मीर है। दक्षिण कश्मीर में अनंतनाग सीट है। हालांकि, परिसीमन के बाद इसमें जम्मू संभाग के राजोरी-पुंछ जिले की सात विधानसभा क्षेत्रों को जोड़ा गया है। मध्य कश्मीर में श्रीनगर और उत्तर कश्मीर में बारामुला की सीट है। 370 हटने के बाद बदली परिस्थितियों में कश्मीर में आतंकवाद-अलगाववाद कम हुआ है तो कश्मीर में अछूत मानी जाने वाली भाजपा ने भी अपनी शक्ति बढ़ाई है। 370 हटने के बाद ही पीडीपी से अलग होकर नई पार्टी जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी बनाने वाले अल्ताफ बुखारी ने भी कश्मीर के हर इलाके में अपने कैडर तैयार किए हैं। नेकां और पीडीपी भी सभी इलाकों में सक्रिय है, लेकिन पीडीपी की दक्षिण कश्मीर में मजबूत स्थिति मानी जाती है। पीपुल्स कांफ्रेंस का उत्तरी कश्मीर में प्रभाव है।

चुनावी दंगल में नेकां-कांग्रेस : इंडिया गठबंधन के दोनों सहयोगी नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस संयुक्त रूप से चुनाव मैदान में हैं। कश्मीर में नेकां के प्रत्याशी है और कांग्रेस समर्थन दे रही है। दोनों ही दलों के मुख्य निशाने पर भाजपा रही है। नेकां को जहां अपने धुर विरोधी पीडीपी से चुनौती मिल रही है, वहीं इस बार पीपुल्स कांफ्रेंस और अपनी पार्टी के गठबंधन से श्रीनगर और बारामुला सीट पर चुनौती पेश आ रही है। अन्य प्रभावशाली लोगों की ओर से भी पीपुल्स कांफ्रेंस को समर्थन दिया जा रहा है। बडगाम के प्रभावशाली नेता नजीर खान की ओर से भी सज्जाद गनी लोन को समर्थन दिया जा रहा है। नेकां अपने विरोधियों को भाजपा का समर्थन मिलने की बात कहकर आम मतदाताओं को सचेत रहने के लिए कह रही है।

पीसी-अपनी पार्टीः यह गठबंधन सीधे तौर पर नेकां पर हमले कर रहा है। सवाल उठा रहा है कि अनुच्छेद 370 हटने के दौरान नेकां के सांसद ही थे, लेकिन इन्होंने कुछ भी नहीं किया। विकास कार्यों को भी लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं कि कश्मीर के विकास के लिए उन्होंने क्या काम किया। यह सवाल भी उठाया जा रहा है कि कश्मीर में हिंसा के लिए नेकां ही जिम्मेदार है। पीडीपी पर भी हमले किए जा रहे हैं कि उसने भाजपा से सत्ता के लिए हाथ मिलाया था।

ब्रीफ न्यूज़

अयान ने कक्षा 10 वी में 86% अंक प्राप्त किए

खिरकिया। हाईस्कूल कक्षा 10 वी की परीक्षा में नगर के छात्र अयान खान पिता रियाज खान ने 500 में से 432 अंक प्राप्त कर 86% बनाया है। छात्र की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार और परिजनों ने उसे बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की है।

मतदाता जागरूकता रेली का हुआ आयोजन

मोहन बड़ोदिया। ग्राम गाडराखेड़ी में सुबह 8:00 से मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई । मतदाताओं को शत-प्रतिशत मतदान की अपील की गई। बी एल ओ जितेंद्र सिंह राजपूत के सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया ।लोगों से अपील भी की गई सभी से कहा गया कि अपने बहुमूल्य वोट के महत्व को समझें और लोकतंत्र की मजबूती के लिए बूथ पर पहुंचकर मतदान करें। निर्वाचन आयोग की मंशा है कि अधिक से अधिक संख्या में लोग मतदान करने के लिए घरों से बाहर निकले। मतदान का प्रतिशत बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। ऐसे क्षेत्र में मतदाता जागरूकता अभियान संचालित करने के लिए निर्देशित किया है,

अनियंत्रित ट्रक डिवाइडर पर चढ़ा बाल बाल बच्चा ड्राइवर

खरगोन । शहर के प्रमुख चौराहे गायत्री मंदिर तिराहे पर एक ट्रक अनियतित होकर डिवाइडर पर चढ़ गया जिससे डिवाइडर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया हालांकि हादसे से में बताया जा रहा है कि किसी भी तरह से जनहानि नहीं हुई ड्राइवर की बाल बाल जान बच गई । वही प्रत्यदर्शियों ने बताया की ओर टेक करने के दौरान ट्रक अचानक से अनियंत्रित हो गया और ट्रक डिवाइडर पर चढ़ गया जिससे डिवाइडर क्षतिग्रस्त हो गया। शहर के प्रमुख चौराहे पर घटना हुई कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की इधर ट्रक ड्राइवर हादसे में बाल बाल बच गया। बता दे कोई भी संकेत नहीं होने के कारण लगातार प्रमुख चौराहे पर हादसे हो रहे हैं हालांकि इधर हादसे के बाद बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए वहीं ट्रक डिवाइडर के ऊपर ही खड़ा रहा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की

दुष्कर्म पीड़िता के परिवार की पहचान उजागर करने पर जीतू पटवारी और विक्रांत भूरिया पर एफआईआर

आलीराजपुर। पिछले दिनों एक बालिका के साथ हुए दुष्कर्म के पीड़ित परिवार की पहचान उजागर करने के मामले में पुलिस ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और झाबुआ विधायक विक्रांत भूरिया पर एफआईआर दर्ज की है। एक महिला ने जोबट पुलिस थाने में आवेदन देकर दोनों नेताओं की शिकायत की थी। दरअसल, दोनों नेता 28 अप्रैल को पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे थे। वे अपने साथ काफी संख्या में लोगों को लेकर पहुंचे थे। दोनों नेताओं ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी पीड़ित परिवार के फोटो शेयर किए। इसी की शिकायत महिला ने की। उन्होंने बताया इससे पीड़ित परिवार की पहचान उजागर हो गई। इस पर जोबट पुलिस ने धारा 228ए, भादिव, 23 पाक्सो एक्ट और 74 जेजे एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया है।

मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत शासकीय सेवकों ने रैली निकाली

मतदान कर सभी नागरिक लोकतंत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें - कलेक्टर बाफना

शाजापुर। लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए 100 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य रखते हुए नागरिकों को मतदान के लिए प्रेरित करने एवं उन्हें जागरूक करने के लिए आज जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा आंगनवाड़ी कार्यकताओं, आशा कार्यकताओं, चिकित्सकों आदि ने रैली निकाली।

रैली का समापन नगर के आजाद चौक पर हुआ। यहां कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋजु बाफना एवं पुलिस अधीक्षक यशपालसिंह राजपूत भी उपस्थित थे। यहां कलेक्टर सुश्री बाफना ने संबोधित करते हुए कहा कि सभी नागरिक मतदान कर लोकतंत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कैसी भी परिस्थिति हो या मौसम प्रतिकूल हो मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिये। उन्हें आजादी के साथ ही मतदान करने का अधिकार मिला है। जबकि कई अन्य देशों में बहुत बाद में वहां के नागरिकों को मताधिकार प्राप्त हुए हैं। मतदाता मतदान दिवस पर बाहर निकलें और अपने आसपास के रहने वालों को भी मतदान के लिए जागरूक करें और स्वयं भी मतदान करें और उनसे भी करवाएं। इस मौके पर कलेक्टर सुश्री बाफना ने उपस्थित सभी शासकीय सेवकों एवं आमजनों को मतदान की शपथ दिलाई। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री संतोष टैगोर, जिला शिक्षा अधिकारी विवेक दुबे, डिप्टी कलेक्टर राजकुमार हलधर एवं नेहा गंगारे तहसीलदार मधु नायक, सीएमओ डॉ. मधु सक्सेना सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे। इसके पूर्व पीडब्ल्यूडी आईकॉन शिक्षक सिद्धनाथ वर्मा ने भी संबोधित करते हुए सभी लोगों से मतदान की अपील की। उन्होंने बताया कि जबसे वे 18 वर्ष के हुए हैं, कोई भी ऐसा चुनाव नहीं हुआ, जिसमें मतदान नहीं किया। उपस्थित सभी जनों के प्रति डीपीसी श्री राजेन्द्र शिप्रें ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक महेन्द्र मोहन सोनी ने किया।

हरी झंडी दिखाकर किया रैली को रवाना

मतदाता जागरूकता के लिए आज जिला मुख्यालय स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के मैदान से रैली निकाली गई, जिसे जिला पंचायत सीईओ संतोष टैगोर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली बस स्टेण्ड होते हुए नई सड़क से आजाद चौक पहुंची। उत्कृष्ट विद्यालय के मैदान में सभी शासकीय सेवकों ने मतदाता जागरूकता के लिए घेरा बनाकर आकृति भी बनाई गई थी। रैली में शामिल सभी शासकीय सेवकों को महिला एवं बाल विकास विभाग ने मतदाता जागरूकता से संबंधित हाथ से बनाए हुए बेज वितरित किये।

अब 9 के बजाए 8 प्रत्याशी चुनावी मैदान में

नाम वापसी के दिन एक प्रत्याशी ने वापस लिया अपना नाम

शाजापुर। 13 मई को होने वाले चौथे चरण के मतदान के लिए चुनावी प्रक्रिया जारी है। इसके लिए 9 प्रत्याशियों ने अपने नामांकन रिटर्निंग अधिकारी को जमा किए थे। जिनके लिए 29 अप्रैल नाम वापसी का दिन तय किया गया था। सोमवार को निर्दलीय प्रत्याशी ने चुनाव न लड़ने का फैसला लेते हुए अपना नाम वापस ले लिया।

लोकसभा निर्वाचन के लिए 18 से 25 अप्रैल तक नामांकन जमा करना थे। इसके बाद प्रत्याशियों के नामांकन फार्म की जांच हुई। इसके बाद 29 अप्रैल को नाम वापसी का अंतिम दिन था। जिसमें निर्दलीय प्रत्याशी बनेसिंह पिता पुरणसिंह अस्ताया ने अपना नाम वापस ले लिया। अब चुनाव मैदान में 8 प्रत्याशी हैं जिनके लिए 13 मई को मतदान होना है।

चुनावी मैदान में बचे ये महारथी

सोमवार को नाम वापसी के बाद भाजपा प्रत्याशी महेंद्र सिंह सोलंकी, कांग्रेस प्रत्याशी राजेंद्र राधाकिशन मालवीय, बहुजन समाज पार्टी प्रत्याशी राजेंद्रसिंह चौखुटिया, आजाद समाज पार्टी प्रत्याशी रामप्रसाद पिता सिद्धूलाल दुजावरा, सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के प्रत्याशी एडवोकेट विदय राज मालवीय, पब्लिक पॉलीटिकल पार्टी से हेमराज पूनमचंद बामनिया, दीपक पिता रमेशचंद्र मालवीय व निर्दलीय प्रत्याशी नितिन वर्मा मैदान में है।

नए मतदाता तय करेंगे इस बार किसकी सरकार

लोकसभा निर्वाचन के लिए चुनावी सरगर्मी बढ़ चुकी है और मतदाता भी चुनावी रण में उतरने को तैयार हैं। बात करें देवास-शाजापुर संसदीय क्षेत्र की तो इस बार पिछले लोकसभा निर्वाचन की अपेक्षा इस बार लोकसभा में नए मतदाताओं की भूमिका अहम रहने वाली है। क्योंकि इस बार 1 लाख 74 नए मतदाताओं को मतदान का अधिकार मिला है, जो तय करेंगे कि इस बार देवास-शाजापुर संसद में किसकी सरकार होगी। लोकसभा निर्वाचन 2019 में देवास लोकसभा की सभी 8 विधानसभा मिलाकर कुल 17 लाख 57 हजार 97 मतदाता थे। जब मतदाता सूची तैयार हुई तो उसमें मतदाताओं की संख्या सभी 8 विधानसभा मिलाकर कुल 19 लाख 31 हजार 664 मतदाता हैं। ऐसे में पिछली बार की अपेक्षा इस बार चुनाव में 1 लाख 74 हजार 567 मतदाताओं की बढ़ोतरी हुई हैं। इसके चलते इस बार मतदान में नए मतदाताओं की भूमिका सबसे ज्यादा अहम रहेगी और इन मतदाताओं का रूझान जिस तरफ होगा उसी के सिर पर जीत का ताज सजेगा। हालांकि अभी वोटिंग में समय हैं। ऐसे में देखना होगा कि कौन सा प्रत्याशी मतदाताओं को ज्यादा लुभा पाता हैं। हालांकि दोनो ही प्रमुख दल अपने-अपने तरीके से मतदाताओं के बीच पेठ बनाने के लिए प्रचार अभियान में जुटे हुए हैं। अब यह तो 4 जून को ही पता चलेगा कि पलड़ा किसका भारी रहता है।

ग्राहकों से निजी खाते में डलवाई लाखों की राशि, नगद हिसाब में भी मिली गड़बड़ी

धार के यातायात एजेंट की दुकान से कर्मचारी लाखों की धोखाधड़ी कर हुआ फरार.... प्रकरण दर्ज

धार। सड़क परिवहन कार्यालय (आरटीओं) के एजेंट की दुकान पर कर्मचारी द्वारा लाखों की धोखाधड़ी की गई है। कर्मचारी ने दुकान मालिक की गैर मौजूदगी में आरटीओं के कार्य से संबंधति पैसा अपने निजी खातों में डलवा लिया। दुकान के कई ग्राहकों से भी आरटीओं के कार्य के नाम पर नगद पैसा लेकर लाखों रुपए की धोखाधड़ी की है। दुकान मालिक का स्वास्थय खराब होने से वह इलाज के लिए शहर के बाहर गए हुए थे। जब दुकान मालिक अपनी दुकान पर पहुंचा तो ग्राहकों के आरटीओं संबंधित कार्य के लिए फोन आना शुरू हो गए। दुकान मालिक ने जब शुल्क की बात कही तो उन्होंने पहले ही रुपए कर्मचारी देना बताया। दुकान मालिक ने हिसाब का मिलान किया तो उसमें 5 लाख

रुपए से अधिक का हिसाब नही मिला। दुकान मालिक ने कर्मचारी के खिलाफ कोतवाली थाने पर एक आवेदन सौंपा है। आवेदन की जांच पर से पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज किया है। भूपेंद्र पिता मदनलाल चौहान ने निवासी कालिका मार्ग ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि खेड़ापति मार्ग पर दुकान नंबर 6 में यातायात संबंधी कार्य 2013 से कर रहा था। मैने अपनी दुकान पर अपने यातायात संबंधी कार्य के लिए वर्ष 2015 में सहायक के रुप में शाहरुख पिता हसन शेख को निवासी रासमंडल को वर्ष 2015 में सहायक के रुप में नौकरी पर रखा था तभी से शाहरुख मेरी दुकान पर काम कर रहा था। जनवरी 2024 में अचानक तबीयत खराब हो जाने से ईलाज के लिए हरद्विारा गया था इसी दौरान मेरा ईलाज अहमदाबाद, नाडियाद व गुजरात में हुआ।

लाखों की धोकाधड़ी कर फरार हुआ आरोपी : करीब तीन महीनों बाद जब इलाज करवाकर वापस अपनी दुकान पर आया तो दुकान का सारा काम और लेन देन शाहरुख ही देख रहा था। मेरे पास ग्राहक मदन गेहलोद निवासी मनावर, सुनिल हरण निवासी राजगढ, सुधीर सेंडगे निवासी रासमण्डल व अन्य ग्राहको के फोन आये जिन्होने उनके आरटीओ कार्य के संबंध मे पुछा तो मैंने उन्हे उनके काम के आरटीओ. शुल्क के बारे में बताया। ग्राहकों द्वारा बताया गया कि आपकी दुकान के कर्मचारी शाहरुख के फोन-पे नंबर 9174443733 पर राशि पहले की ट्रांसफर कर दी है। जब मैने दुकान के हिसाब को चैक किया तो उसमें 5 से 6 लाख रुपए का हिसाब नही मिला। शहरुख पिता पिता हसन शेख ने मेरी गैर मौजूदगी में ग्राहको से नगद और खाते में राशि ट्रांसफर करवा कर धोखाधडी की है।

नशा मुक्ति पर लगा विधिक साक्षरता शिविर

बड़वाह। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय मंडलेश्वर के मार्गदर्शन अनुसार तथा तहसील विधिक सेवा समिति बड़वाह के निदेर्शानुसार ग्राम पंचायत नांदिया में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश सुश्री श्वेता गोयल उपस्थित रही। न्यायाधीश गोयल द्वारा ग्रामीणों को बताया गया कि नशा एक बुरी लत है। महिलाओं को समझाया गया कि वह अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखें यदि वह गलत संगति में है या नशे की बुरी लत उन्हें लग गई है तो वह उन्हें समझाएं और इस बुरी लत से उन्हें दूर रहने के लिए कहे । मजदूर वर्ग के पुरुषों से भी अनुरोध किया कि वह अपनी कमाई का आधे से ज्यादा भाग नशे में खर्च कर देते हैं। यदि वह ऐसा करेंगे तो उनके जो बच्चे हैं उनका भविष्य खतरे में रहेगा। वह उन्हें सही खान-पान व पोषण नहीं दे पाएंगे ।जो बड़े करते हैं, वही देख बच्चा भी यही आदत सीखता है ।आप कुछ समय के आनंद के लिए अपना व अपने बच्चों के भविष्य को खतरे में ना डालें ।नशे से आपके स्वास्थ्य पर असर होगा। जिससे आपके कार्य करने की क्षमता कम हो जाएगी। इन सब बुरी चीजों से दूर रहे ।ग्रामीण महिलाओं ने न्यायाधीश से निवेदन किया कि वह शराब की दुकानों पर रोक लगाई जाए। शिविर में पैरालीगल वालंटियर कुमारी दीपमाला शर्मा ,अंजली शर्मा ,रिंकू पाटिल नजीर प्रदीप पाराशर, सचिव परवेज खान ,रोजगार मंत्री रविन्द्र गेहलोत ,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रेखा प्रजापत, रोशनी वर्मा उपस्थित रहे।

विधि विधान से किया गौ माता का अंतिम संस्कार

मंडलेश्वर: सोमवार को छोटी खरगोन के एक निजी खेत में एक गाय मृत अवस्था में दिखाई दी । जैसे ही एनजी हेल्पिंग फाउंडेशन एनजी ग्रुप को जानकारी मिली। एनजी हेल्पिंग के सदस्यों ने गांव वालों से चर्चा कर रीति रिवाज से गौ माता का अंतिम संस्कार किया। वही गौ माता को जेसीबी मशीन की सहायता से उठाकर हिंदू रीति रिवाज के हिसाब से अंतिम संस्कार किया। गाय को माता मानते हुए सदस्यो ने श्रद्धांजलि दी। इस दौरान एनजी ग्रुप के लखन गंगारेकर, अश्विन पिपल्दे , मोनू ठाकुर, अजय मंसोरे, विशाखा वर्मा, ललित गंगारेकर, नेहा पटेल, सोनू कौशल, आयुषी कौशल, शिवानी परमार आदि कई सदस्य मौजूद थे ।

प्रत्याशी अक्षय कांति बम के भाजपा में शामिल होने पर बुरहानपुर में मना जश्न

बुरहानपुर। लोक सभा चुनाव में इंदौर से कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी अक्षय कांति बम के भाजपा में शामिल होने पर बुरहानपुर में जश्न मनाया गया। भाजपा नेता और कार्यकताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाई। इस दौरान आतिशबाजी भी की गई। सोमवार शाम 6 बजे स्थानीय कमल टॉकीज चौराहा पर काफी संख्या में भाजपा नेता, कार्यकर्ता जमा हुए और कहा अब तो भाजपा में कांग्रेस के नेता ही नहीं बल्कि चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी भी आ रहे हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष. डॉ मनोज माने ने कहा कि अब तक भारतीय जनता पार्टी में कांग्रेस के कई नेता, कार्यकर्ता शामिल हो चुके हैं। अब कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी इंदौर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे अक्षय कांति बम भी भाजपा में शामिल हो चुके हैं इसलिए आज यहां काफी संख्या में भाजपा नेता कार्यकर्ता जमा हुए हैं और जश्न मना रहे हैं। डॉ श्री माने ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अन्य दलों के नेता लगातार भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। आज देश और प्रदेश में कांग्रेस पार्टी में भगदड़ मची हुई है। देश और प्रदेश से कांग्रेस खोखली हो चुकी है। भाजपा नेता गजेंद्र पाटिल ने कहा यह भारतीय जनता पार्टी की कार्यप्रणाली से खुश होकर आ रहे हैं। कार्यकताओं की मेहनत एवं परिश्रम से खंडवा संसदीय क्षेत्र में कमल खिलना तय है। लेकिन जीत को ऐतिहासिक विजय में बदलने के लिए हमें कड़ी मेहनत करनी होगी। इस दौरान पूर्व विधायक रामदास शिवहरे, जिला महामंत्री चिंतामन महाजन, बलराज नवानी, महापौर माधुरी अतुल पटेल, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष किरण रायकवार, उमा कपूर, करुणा भट्ट, सवित्रा बत्रा, संध्या कदवाने, साधना पवार, कैलाश पारीख, संभाजी सगरे, अजा मोर्चा जिलाध्यक्ष ईश्वर चौहान, पार्षद भरत इंगले, नितेश दलाल, धनराज महाजन, मंडल अध्यक्ष अक्षय मोरे, मनोज टंडन, किशोर शाह, किशोर राठौर धीरज नवानी, सहित काफी संख्या में भाजपा नेता कार्यकर्ता, मौजूद थे।

कलेक्टर ने किया ग्रामों का भ्रमण, मतदान के लिए किया जागरूक

शाजापुर। लोकसभा निर्वाचन-2024 में जिले में शतप्रतिशत मतदान के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए जिले में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी तारतम्य में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋजु बाफना ने ग्राम दुग्धा, रायपुर, पिपलोद, अमलाय, अरनियाकलां एवं तिलावदमैना का भ्रमण कर ग्रामीणों को मतदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मतदाताओं से आगामी 13 मई 2024 को होने वाले मतदान में अपनी भागीदारी निभाने एवं अन्य लोगों को भी अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करने को कहा। इस दौरान उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि मतदान दिवस के दिन प्रातः 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान का समय निर्धारित है। उन्होंने गांव की महिलाओं से कहा कि वह अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। साथ ही उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से कहा कि पहले मतदान करें, उसके पश्चात अन्य काम करें। उन्होंने कहा कि वोट देना हम सबका अधिकार है। उन्होंने बताया कि मतदान केन्द्रों पर मतदान दिवस पर छांया, पानी आदि पर्याप्त व्यवस्थाएं रहेंगी। इस दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री बाफना ने बीएलओ, सचिव, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्वसहायता समूह की महिलाओं से कहा कि 04 मई को मतदाता पर्ची का वितरण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि वे घर-घर जाकर मतदाता पर्ची का वितरण करें, पीलें चावल वितरित कर सभी को मतदान करने के लिए कहें। उन्होंने कहा कि कोई भी मतदाता मतदान करने से वंचित नहीं रहें, यह सुनिश्चित करें। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को मतदान करने की शपथ भी दिलाई एवं उनसे अपने-अपने ग्रामों में 80 प्रतिशत से अधिक मतदान कराने के लिए कहा। इस अवसर पर उन्होंने प्रथम बार वोट करने वाले युवा मतदाताओं एवं 80 प्लस आयु के बुजुर्ग मतदाताओं का पुष्प-माला भेंटकर स्वागत भी किया। इस दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केन्द्रों में पहुंचकर आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

ब्रीफ न्यूज़

सुप्रीम कोर्ट से के. अन्नामलाई को राहत, हेट स्पीच का है मामला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से तमिलनाडु भाजपा प्रमुख के. अन्नामलाई को राहत मिली है। अदालत ने हेट स्पीच मामले में मुकदमे की कार्यवाही पर रोक जारी रहने का आदेश दिया है। दरअसल, अन्नामलाई पर आरोप है कि अक्तूबर 2022 में उन्होंने एक यूट्यूब चैनल को दिए साक्षात्कार में ईसाइयों के खिलाफ कथित रूप से घृणास्पद भाषण दिया था। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने प्रतिवादी के जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए समय मांगने के अनुरोध पर मामले को सितंबर तक के लिए स्थगित कर दिया है। हेट स्पीच मामले को रद्द करने की याचिका के अन्नामलाई ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की है। पीठ ने शिकायतकर्ता से छह सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है। पीठ ने कहा कि अंतरिम आदेश जारी रहेगा। साथ ही नौ सितंबर से शुरू होने वाले सप्ताह में मामले को फिर से सूचीबद्ध करने की बात कही। इससे पहले, सुनवाई शुरू होते ही पीठ ने कहा कि यह निजी शिकायत है और राज्य सरकार को इस मामले में पक्षकार नहीं बनाया गया है।

इजराइल-हमास में जल्द हो सकता है सीजफायर, हमास को भी दिक्कत नहीं

नई दिल्ली। जंग के 6 महीने बाद इजराइल और हमास के बीच जल्द ही दूसरा सीजफायर हो सकता है। हमास ने इजराइली बंधकों को छोड़ने के समझौते पर अपनी सहमति जताई है। हमास ने कहा है कि उन्हें मिस्र और इजराइल के प्रपोजल से किसी भी तरह की परेशानी नहीं है। एक अधिकारी बताया कि जब तक इजराइल कोई दिक्कत पैदा न करें, हमास को मिस्र के प्रपोजल पर कोई खास परेशानी नहीं है। हमास के अधिकारी ने कहा कि सीनियर लीडर खलील अल-हैय्या के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल 29 अप्रैल यानी आज काहिरा (कायरो) में मिस्र और कतरी मीडिएटर्स के सामने प्रपोजल पर हमास का जवाब देगा। वहीं कतर के मीडिया अल-अरबी अल-जदीद के मुताबिक, मिस्र ने मीटिंग के लिए इजराइली डेलिगेशन को भी बुलाया है, ताकि समझौते की प्रक्रिया में तेजी आ सके और जरूरी चीजों पर बात की सके। मिस्र, कतर और अमेरिका साथ मिलकर हमास और इजराइल के बीच सीजफायर करवाने की कोशिश कर रहे हैं। तीनों देशों ने शुक्रवार 26 अप्रैल को प्रपोजल पर बातचीत करने के लिए एक हाई-लेवल डेलिगेशन इजराइल भेजा था। अब दोनों देशों के बीच सीजफायर को लेकर काहिरा में बातचीत होगी।

लॉस एंजिल्स के स्कूल में बच्चे को उलटा लटकाकर पीटा

लॉस एंजिल्स। अमेरिका के लॉस एंजिल्स में स्कूल के कर्मचारी ने चार साल के बच्चे की पिटाई कर दी। कर्मचारी ने पहले बच्चे को उलटा लटकाया। इसके बाद उसने बच्चे को जमीन पर पटका और अपने हाथ से उसे मारने की कोशिश की। घटना एक महीने पहले की है, जिसका वीडियो अब सामने आया है।स्कूल का नाम किंडर किड्स क्रिश्चियन प्ले स्कूल है। बच्चे को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। गंभीर चोट होने के कारण उसका अब भी इलाज चल रहा है। बच्चे की मां ब्रीएन बैटल के मुताबिक, बच्चे के दोनों हाथ और पैर में चोट है। मां ने कर्मचारी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज की है। इस बात का तब खुलासा हुआ जब बैटल ने अपने बच्चे की पिटाई की बात एक अन्य कर्मचारी से कहीं।कर्मचारी ने बैटल को वीडियो दिखा दिया, जिसमें उसके बच्चे की पिटाई की गई थी। इसके बाद बैटल ने स्कूल से वीडियो मांगा। स्कूल ने वीडियो में छेड़छाड़ कर पिटाई का पार्ट हटा दिया। फिर स्कूल ने अपनी गलती मानी और कर्मचारी को नौकरी से निकाल दिया। अब बैटल की मांग है कि स्कूल का लाइसेंस रद्द कर दिया क्योंकि स्कूल ने उनसे वीडियो के बारे में झूठ बोला था।

अमेरिका में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी पर फिलिस्तीनी झंडा फहराया

वॉशिंगटन। अमेरिका की यूनिवर्सिटीज में फिलिस्तीन के समर्थन में हो रहे प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। देशभर में अब तक 900 छात्रों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इस बीच हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में छात्रों ने फिलिस्तीनी झंडा फहराया। यूनिवर्सिटी में जॉन हार्वर्ड के स्टैच्यू के ऊपर जहां अमेरिका का झंडा फहराया जाता है, वहां फिलिस्तीनी झंडा दिखा। यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता ने कहा, यह हमारी पॉलिसी के खिलाफ है। इसके लिए जिम्मेदार छात्रों के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। वहीं लॉस एंजिल्स की यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ कैलिफोर्निया में रविवार को फिलिस्तीन और इजराइल समर्थक गुटों में झड़प भी हुई। यूनिवर्सिटी में दोनों गुटों को एक-दूसरे से दूर रखने के लिए बैरियर लगाया गया था, जिसे प्रदर्शनकारियों ने तोड़ दिया। इस दौरान विश्वविद्यालय में तोड़फोड़ भी हुई। विरोध प्रदर्शनों पर रविवार को व्हाइट हाइस के नेशनल सिक्योरिटी प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि राष्ट्रपति बाइडेन को मामले से जुड़े अपडेट्स दिए जा रहे हैं। हालांकि, मामले को संभालने की जिम्मेदारी फिलाहल लोकल प्रशासन पर ही छोड़ी गई है। बोस्टन की नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के कैंप उखाड़ दिए। इस दौरान 100 लोगों को हिरासत में लिया गया। अलजजीरा के मुताबिक यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता ने बताया कि धरने के दौरान प्रदर्शनकारियों ने यहूदियों की हत्या करो के भी नारे लगाए। यह लाइन क्रॉस करने जैसा था और इसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दुबई में तैयार हो रहा दुनिया का सबसे बड़ा हवाई अड्डा

नई दिल्ली। दुबई में दुनिया के सबसे बड़े हवाई अड्डे का काम शुरू हो चुका है। यह अल मकतूम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा वर्तमान में दुबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लगभग पांच गुना बड़ा होगा। यही नहीं इसमें पांच रनवे की सुविधा भी होगी। इसके नए यात्री टर्मिनल को मंजूरी मिल चुकी है। यूएई के पीएम एचएच शेख मोहम्मद ने एक्स पर एक पोस्ट की, जिसमें उन्होंने बताया कि अल मकतूम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नए यात्री टर्मिनल के डिजाइन को मंजूरी दे दी गई है। इसके साथ ही दुबई में 128 बिलियन की लागत से भवन का निर्माण शुरू कर दिया गया है। यह दुनिया का सबसे बड़ा हवाई अड्डा होगा, जो कि वर्तमान हवाई अड्डे का पांच गुना होगा।

ये होंगी विशेषताएं

क्षमता– अल मकतूम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा दुनिया में सालाना 260 मिलियन यात्री यात्रा करेंगे।
आकार– मौजूदा दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पांच गुना बड़ा होगा।
आधारभूत संरचना– परिचालन सुगम बनाने के लिए हवाईअड्डा 400 विमान गेटों को समायोजित करेगा।
रनवे– हवाई यातायात सरल बनाने के लिए पांच समानांतर रनवे होंगी।
लागत– लगभग 2900 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होगा।
नवाचार– यह परियोजना नई विमानन प्रौद्योगिकी का उदाहरण होगी।
समय– 10 वर्षों में इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

हवाई अड्डे के आसपास एक पूरे शहर का निर्माण

अगले कुछ सालों में दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का सभी परिचालन अल मकतूम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से किया जाएगा। यूएई के पीएम एचएच शेख मोहम्मद ने यह भी कहा कि वे दुबई दक्षिण में हवाई अड्डे के आसपास एक पूरे शहर का निर्माण कर रहे हैं। जो रसद और हवाई परिवहन क्षेत्रों में दुनिया की अग्रणी कंपनियों की मेजबानी करेगा। इसके अलावा दस लाख लोगों के लिए आवास की मांग करेगा। उन्होंने कहा कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए नई परियोजना तैयार कर रहे हैं। नई परियोजना हमारे बच्चों और उनके बच्चों के लिए निरंतर और स्थिर विकास सुनिश्चित करेगी। दुबई दुनिया का हवाई अड्डा, इसका बंदरगाह, इसका शहरी केंद्र और इसका नया वैश्विक केंद्र होगा।

महाराष्ट्र में असली बनाम नकली गठबंधनों की जंग में दांव पर विरासत

शिवसेना व राकांपा में विभाजन से नाखुशी, असमंजस में मतदाता

मुंबई। मोदी की गारंटी की टैगलाइन के साथ चार सौ पार के नारे को हकीकत में बदलने के लिए लोकसभा की 48 सीटों वाले महाराष्ट्र का महत्व भाजपा के लिए सबसे ज्यादा है। 80 सीटों वाले यूपी के बाद सबसे बड़े राज्य की कहानी कुछ अलग है। छह बड़े दल, दो गठबंधन...इसी से महाउलझन है। मतदाता असमंजस में हैं। हर दल के समीकरण गड़बड़ा रहे हैं। दो चरणों में हुए कम मतदान ने दलों की धड़कनें और बढ़ा दी हैं। कौन असली-कौन नकली की जंग के बीच यहां बाकी नारे कुंद हैं। आरक्षण जैसे स्थानीय मुद्दे बुलंद । दो चरणों में अभी तक 57.47% मतदान हुआ है, जबकि 2019 में कुल 61.20% और 2014 में 60.32% हुआ था।

पिछले दो चुनाव में एनडीए ने 48 में से 41 सीटें जीतीं, इसलिए 400 पार का लक्ष्य हासिल करने के लिए उस पर कम से कम इतनी सीटें बरकरार रखने का दबाव है। कांग्रेस पिछले चुनाव में जीरो पर सिमट गई थी। उसे फिर से खाता खोलना है। सबसे ज्यादा दबाव भाजपा पर है, जिसने 25 में से 23 सीटें जीती थीं। शिवसेना व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में विभाजन के चलते चार अलग-अलग दलों का गठन हुआ है और उनके साथ कांग्रेस और भाजपा की उपस्थिति...बहुते जोगी मठ उजाड़ वाली स्थिति। एक तरफ भाजपा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना (शिंदे) और उप मुख्यमंत्री अजीत पवार की राकांपा का महायुति है, जो एनडीए का हिस्सा है। दूसरी ओर, विपक्ष गठबंधन का हिस्सा महा विकास अघाड़ी (एमवीए)-जिसमें कांग्रेस, राकांपा (शरद) व शिवसेना (उद्धव) शामिल हैं। सतह पर दो गठबंधनों के बीच सीधा मुकाबला दिखता है, हालांकि, जमीनी हालात पर करीब से नजर डालें तो, पता चलता है कि असल में दोनों समूहों की सभी छह पार्टियों के बीच एक-एक सीट के लिए वर्चस्व की लड़ाई है।

ठंडी नहीं पड़ीं मराठा आरक्षण आंदोलन की लपटें

भाजपा व शिवसेना (शिंदे) की परेशानी का सबब मराठा आरक्षण आंदोलन भी है, जिसकी लपटें शांत नहीं हुई हैं। कई क्षेत्रों में महायुति के नेताओं को सभाएं तक नहीं करने दी जा रही हैं। मराठवाड़ा की आठ सीटों पर इसका सीधा असर नजर आ रहा है। आरक्षण आंदोलन का नेतृत्व करने वाले मनोज जरांगे पाटिल ने हालांकि मराठों से अपने विवेक से वोट देने को कहा है, लेकिन मराठों में सत्तारूढ़ दलों के प्रति खासी नाराजगी देखी जा सकती है।

पहली बार ऐसा...पांच चरणों में हो रहा मतदान

पिछले दो वर्षों में शिवसेना और राकांपा में विभाजन का जो चक्रव्यूह रचा गया, उसके बाद महायुति के भीतर कुछ हद तक डर भी है। यह राज्य में पांच चरणों में चुनाव करवाने से भी परिलक्षित होता है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। यहां तक कि विदर्भ क्षेत्र की 10 और मराठवाड़ा की आठ सीटों के लिए भी मतदान दो चरणों में बांटा गया है। एक समय में कुछ सीटों पर ही ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इस वजह से कई सीटों पर उम्मीदवार तय करने तक में काफी देर हुई। दोनों गठबंधनों में सीट बंटवारे को लेकर भी तनावपूर्ण स्थिति रही। अंततः महाविकास आघाड़ी में शिव सेना (उद्धव), कांग्रेस और राकांपा के हिस्से में क्रमशः 21, 17 व 10 सीटें आईं। महायुति में छह सीटों पर भाजपा और शिवसेना (शिंदे) में पांचवें चरण की अधिसूचना जारी होने तक रस्साकशी रही। भाजपा 28, शिवसेना 14 और राकांपा 5 और एक सीट महादेव जानकर की राष्ट्रीय समाज पक्ष (आरएसपी) को देने के फार्मूले पर सहमति बनाने का प्रयास है।

वीबीए का असर

वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) भी मैदान में है। पिछली बार उसने 7 वोट हासिल कर कई प्रत्याशियों की हार–जीत तय की थी। भाजपा को इसका फायदा मिला था। इस बार भी वह कई सीटों पर वोटकटवा साबित हो सकता है। राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) भी भाजपा के समर्थन में है। इन सबके बीच मतदाता असमंजस की स्थिति में है, खासकर शिवसेना और राकांपा का। राकांपा के कुछ कार्यकर्ता कहते हैं कि दिल से शरद पवार के साथ हैं, लेकिन अजीत ने जो काम किए, उसे कैसे नजरअंदाज कर सकते हैं। यही स्थिति शिवसेना के कार्यकताओं के साथ भी है। भाजपा व शिवसेना इस बार हिंदुत्व का नारा भी बुलंद नहीं कर पा रहीं, क्योंकि बाला साहेब के बाद उद्धव ठाकरे को हिंदुत्व का झंडाबरदार माना जाता रहा है जो इस बार कांग्रेस के साथ हैं।

यूपी, बिहार से भी ज्यादा जातीय समीकरण

यहां जातीय समीकरण यूपी, बिहार से भी ज्यादा चला है, लेकिन किसी भी जाति का वोट बैंक किसी भी सीट पर इतना नहीं है कि केवल उसी से कोई उम्मीदवार जीत जाए। मराठा के बाद ओबीसी, मुस्लिम और दलित वोटर सबसे ज्यादा हैं। स्थिति यह है कि जहां मराठा उम्मीदवार है, वहां ओबीसी वोट विरुद्ध जाएंगे।

बेरोजगारी, किसानों की दशा जैसे मुद्दे भी

बेरोजगारी, औद्योगिक विकास की कमी, खराब रेल कनेक्टिविटी, सिंचाई परियोजनाओं की कमी, प्रोत्साहन की कमी से नाखुश किसान, लुप्त हो रहा कपास उद्योग, मराठवाड़ा व विदर्भ के कई इलाकों में सूखे की स्थिति आदि ऐसे मुद्दे हैं जो चुनाव के दौरान निश्चित रूप से लोगों के दिमाग में घूम रहे हैं और निश्चित रूप से उम्मीदवारों की किस्मत तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

दो चरणों में कम मतदान ने बढ़ाईं धड़कनें

भाजपा की रणनीति को मराठवाड़ा और विदर्भ ही नहीं, पूरे राज्य में कठिन स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा ने शिवसेना और राकांपा में जो विभाजन कराया, उससे लोगों में नाखुशी दिखाई दे रही है। शरद पवार की राकांपा और बाल ठाकरे के पुत्र उद्धव ठाकरे की शिवसेना टूटने से उनके प्रति सहानुभूति कारक है, जो यहां काम कर सकता है। महायुति के नेता भी मानते हैं, पार्टियों में विभाजन से लोगों में कुछ नाराजगी तो है। नाराजगी इस बात की भी है कि, उनका नाम और चुनाव चिह्न तक ले लिया। भाजपा लागों को यह बताने की कोशिश कर रही है कि असली शिवसेना और असली राकांपा तो उनके साथ है। एक जनसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने असली–नकली का मुद्दा उठाया। हालांकि लोगों में इसका प्रतिकूल प्रभाव है।

पुरानी पार्टियों के चुनाव चिह्न बदले

शिवसेना मूलतः बाला साहेब ठाकरे की थी, जिसका चुनाव चिह्न धनुष–बाण था। शिंदे यह चुनाव चिह्न लेने में कामयाब हो गए। इसी तरह अजीत को मूल राकांपा का चुनाव चिह्न घड़ी मिल गया। इसका असर यह है कि शरद पवार वाली राकांपा के नेताओं को लोगों के दिमाग में यह बैठाना मुश्किल हो रहा है कि उनका नया चिह्न तुतारी (तुरही) है। राकांपा (शरद) के प्रत्याशी बार–बार यह अपील करते हैं कि तुतारी का बटन दबाना है। यही नहीं, प्रत्याशी अपनी सभाओं में तुतारी बजवा भी रहे हैं। यही स्थिति शिवसेना (यूबीटी) के साथ भी है। वहीं, जिन नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए, उन्हीं को पार्टी में शामिल करने या उनके साथ गठबंधन करने की मजबूरी पर कई भाजपाई दबी जुबान में सवाल उठा रहे हैं।

इन दिग्गजों की साख का सवाल

शरद पवार : पार्टी में टूट के बाद इस बार उन्हें खुद प्रचार में उतरना पड़ रहा है। यहां तक कि अपनी गृह सीट बारामती में बेटी को जिताने के लिए दिन रात एक करना पड़ा है। पहले वह चुनाव में केवल एक या दो जनसभाएं करते थे, इस बार कई जनसभाएं करनी पड़ रही हैं। एकनाथ शिंदे : शिवसेना पर अधिकार जमाने के बाद पहला लोकसभा चुनाव जिसमें भाजपा भी कई जगह उन पर आश्रित है। अजीत पवार : चाचा शरद पवार की पार्टी से इक्कीस रहने की उम्मीद में दिन रात एक किए हुए हैं। पत्नी सुनेत्रा बारामती में शरद पवार की बेटी व तीन बार की सांसद सुप्रिया से दो–दो हाथ कर रही हैं।
उद्धव ठाकरे : पार्टी व चिह्न दोनों छिन गए। विचारधारा न मिलने के बावजूद कांग्रेस के साथ चुनाव लड़ना पड़ रहा है।
देवेंद्र फडणवीस : विभाजन की पटकथा को अमलीजामा पहनाने में मुख्य भूमिका। मराठों का ज्यादा गुस्सा भाजपा नहीं, उनके खिलाफ है। उपमुख्यमंत्री होने के कारण भाजपा को जिताने का जिम्मा।
अशोक चव्हाण : भाजपा में शामिल हुए कांग्रेस के दिग्गज नेता जिनकी मराठों में अच्छी पकड़ रही है।

पहली कोरोना वैक्सीन तैयार करने वाले वैज्ञानिक पर भ्रष्टाचार के आरोप

चीन की संसद से किए गए बर्खास्त

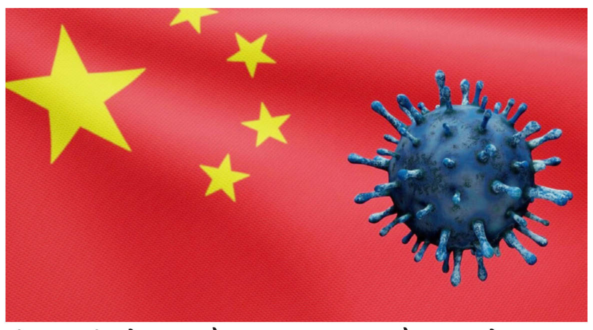

बीजिंग। चीन के जिस वैज्ञानिक ने कोरोना महामारी के दौरान साल 2020 में उडश्क्क्र-19 वैक्सीन को तैयार किया था, उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर संसद से बर्खास्त कर दिया गया है। चीन के नेशनल फार्मास्युटिकल ग्रुप की सहायक कंपनी चाइना नेशनल बायोटेक ग्रुप (सीएनबीजी) के अध्यक्ष यांग श्याओमिंग पर भ्रष्टाचार और कानून के उल्लंघन के आरोप लगाए गए हैं। इस वजह से नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) से उनकी सदस्यता खत्म कर दी गई है। एनपीसी द्वारा इसे लेकर बयान जारी करते हुए कहा गया है कि यांग के खिलाफ पहले से ही पार्टी की अनुशासनात्मक समिति द्वारा जांच की जा रही थी।

चीन में चल रहा भ्रष्टाचार विरोधी अभियान

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा बीते कुछ वर्षों से पूरे देश में भ्रष्टाचार विरोधी अभियान चलाया जा रहा है और इस बीच यांग की बर्खास्तगी चीन के हेल्थ सेक्टर पर की गई सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस कार्रवाई का उद्देश्य स्वास्थ्य के क्षेत्र में फैले भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करना है। कार्रवाई के दौरान बीते वर्षों में चीन के कई अस्पतालों के प्रमुखों को हिरासत में लिया गया है। इसके अलावा सिनोफार्म के एक अन्य पूर्व वरिष्ठ अधिकारी झोउ बिन को भी जांच के दायरे में रखा गया है।

यांग ने ईजाद की थी पहली कोरोना वैक्सीन

62 वर्षीय यांग श्याओमिंग एक अनुभवी शोधकर्ता हैं, जिन्होंने उस टीम का नेतृत्व किया जिसने चीन की पहली कोरोनावायरस वैक्सीन बीबीआईबीपी–कोर्व को विकसित किया था। बाद में इस वैक्सीन के सामान्य उपयोग को मंजूरी दी गई थी। कोरोनावायरस का पहला मामला मार्च 2020 में चीन के वुहान शहर से सामने आया था और बाद में दुनिया भर में फैल गया था। इसके बाद इस बीमारी से दुनियाभर में कई लोगों की मौत हो गई थी। यांग की टीम द्वारा विकसित की गई कोविड–19 वैक्सीन को दिसंबर 2020 में सामान्य उपयोग के लिए मंजूरी दी गई थी।
इससे पहले कोरोनावायरस महामारी से लड़ने में अहम भूमिका निभाने के लिए यांग को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसके बाद उन्हें हो लेउंग हो ली फाउंडेशन पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया, जो विज्ञान और चिकित्सा क्षेत्रों में चीन के वैज्ञानिकों को दिया जाता है।

उत्तराखंड के जंगलों में आग का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को दो बड़े मामलों में तत्काल सुनवाई की मांग की गई। इनमें एक मामला उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग से जुड़ा है। दरअसल, कोर्ट में एक याचिका का जिक्र करते हुए जंगल की आग के मुद्दे पर तुरंत सुनवाई का आग्रह किया गया। इस पर कोर्ट ने वकील से एक ईमेल भेजने को कहा और इस पर विचार करने का आश्वासन दिया। इस पर वकील ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में जंगल की आगों को लेकल पिछले चार वर्षों से तीन याचिकाएं लंबित हैं।

दूसरी तरफ पश्चिम बंगाल के बीरभूम से लोकसभा चुनाव में भाजपा की ओर से प्रत्याशी बनाए गए देबाशीष धर ने अपना पर्चा खारिज होने के बाद सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने इस मामले में तत्काल सुनवाई की मांग की है। देबाशीष की इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने विचार करने की बात कही है।

सेंथिल बालाजी की जमानत याचिका पर सुनवाई छह मई तक स्थगित: उच्चतम न्यायालय ने धन शोधन मामले में पिछले साल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए गए तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी की जमानत याचिका पर सुनवाई सोमवार को छह मई तक के लिए स्थगित कर दी। निदेशालय की ओर से पेश एक वकील ने इस आधार पर सुनवाई स्थगित करने का अनुरोध किया कि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता उपलब्ध नहीं हैं। इसके बाद न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने मामले की सुनवाई स्थगित कर दी।

निलंबित आईएएस पूजा सिंघल की जमानत याचिका खारिज: उच्चतम न्यायालय ने झारखंड कैडर की निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल की धन शोधन के एक मामले में जमानत याचिका सोमवार को यह कहते हुए खारिज कर दी कि यह एक असाधारण मामला है।

दुबई में प्रॉपर्टी खरीदने वालों में भारतीय सबसे आगे

नई दिल्ली। इन दिनों दिल्ली एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद आदि के रियल एस्टेट मार्केट में एक बात कॉमन दिखती है। इन शहरों में दुबई के बिल्ड बार-बार प्रॉपर्टी फेयर लगा रहे हैं। इस फेयर में बिल्डर या उसके ब्रोकर यहां के अमीरों को हसीन सपने दिखाते हैं। उन्हें बताते हैं कि कितनी आसानी से आप दुबई में प्रॉपर्टी खरीद सकते हैं। साथ ही बताते हैं कि वहां निवेश करने पर आपको क्या-क्या सहूलियत मिलेगी। इसके साथ ही वे गोल्डर वीजा का भी सपना दिखाते हैं। लेकिन इस लुभावने वादे में उन्हें पता भी नहीं चलता कि वे भारत सरकार के कई नियमों का उल्लंघन भी कर रहे हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक दुबई प्रॉपर्टी फेयर में रेसिडेंट इंडियन को कई तरह के लुभावने ऑफर देखने को मिलते हैं। जैसे, प्रॉपर्टी की कीमत का सिर्फ 15 से 20% डाउन-पेमेंट की आवश्यकता। शेष राशि 4 से 8 वर्षों की अवधि के दौरान किस्तों में भुगतान करने का विकल्प। इस हसीन जाल में फंसते हुए वे इस बात से अनजान होते हैं कि वे या तो विदेशी मुद्रा कानूनों का उल्लंघन कर रहे हैं या रूल बुक के ग्रे एरिया मे जा रहे हैं। संयुक्त अरब अमीरात के कई इलाकों में, विशेष रूप से नव विकसित क्षेत्रों में प्रॉपर्टी के रेट्स अक्सर मुंबई से भी सस्ती होती हैं। यह भारत के बड़े शहरों में रहने वाले लोगों को एक आकर्षक निवेश प्रस्ताव लगता है। संयुक्त अरब अमीरात में आप एक निश्चित मूल्य से ऊपर की संपत्ति में निवेश करते हैं तो आपको गोल्डन वीजा के लिए आवेदन करने का अधिकार मिलता है। हाल ही में गोल्डन वीजा के नियमों को शिथिल भी किया गया है। यह नियम एक आवेदक को संपत्ति अधिग्रहण के लिए पूरी राशि उधार लेने की अनुमति देता है। लेकिन विशेषज्ञ बताते हैं कि संभावित खरीदारों को भारतीय विदेशी मुद्रा नियमों को पहले समझना चाहिए। किस्त योजनाएं अंतर्निहित वित्तपोषण योजनाओं तक सीमित हैं और फेमा के खिलाफ हो सकती हैं।

क्या कहता है भारत सरकार का नियम

विदेशों में प्रॉपर्टी खरीदने का भारत सरकार का नियम बेहद स्पष्ट है। कोई भी निवासी भारतीय विदेश में घर खरीदने के लिए 2,50,000 डॉलर भेज सकता है। यदि परिवार के सभी सदस्य मिल कर बड़ी संपत्ति हासिल करने के लिए बड़ी राशि जमा कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में प्रत्येक सदस्य 2,50,000 डॉलर (वार्षिक सीमा) भेज सकते हैं। लेकिन रेडी-टू-मूव-इन अपार्टमेंट या निर्माणाधीन संपत्ति खरीदने के लिए वर्षों तक किस्तों में भुगतान करने वाले लेनदेन सवालों के घेरे में आ सकते हैं। क्योंकि इस सौदे में लीवरेज का एक तत्व छिपा है, जिसे भारत सरकार का नियम हरी झंडी नहीं देता है।

दुबई में प्रॉपर्टी खरीदना खतरनाक हो सकता है

सीए फर्म एस बनवाट एंड एसोसिएट्स एलएलपी के पार्टनर सिद्धार्थ बनवत बताते हैं यूएई में प्रॉपर्टी खरीदने का विज्ञापन एक खतरा हो सकता है और कुछ भारतीय व्यक्ति उनके झांसे में आकर विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के रॉन्ग साइड में जा सकते हैं। फेमा के तहत, एक निवासी भारतीय किसी वित्तीय लेनदेन में प्रवेश कर सकता है तो केवल भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की सामान्य या विशिष्ट अनुमति के साथ। भारत के बाहर किसी संपत्ति से जुड़े लेनदेन को आरबीआई की पूर्व मंजूरी के बिना विलंबित भुगतान के आधार पर अचल संपत्ति की खरीद की अनुमति नहीं है, क्योंकि यह विदेशी मुद्रा में दायित्व बनाता है।

ब्रिटिश निवेशकों को भारतीयों ने पछाड़ा

इस साल जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, साल 2023 में भारतीय दुबई में सबसे बड़े संपत्ति खरीदार के रूप में सामने आए। इस साल कम से कम दो तिमाहियों में ब्रिटिश निवेशक इस स्थान पर काबिज थे, जिन्हें भारतीयों ने पछाड़ दिया। अनुमान है कि 2020 और 2023 के बीच भारतीयों ने संयुक्त अरब अमीरात के संपत्ति बाजार में लगभग 2 अरब डॉलर का निवेश किया है।

उधार के पैसे से विदेश में प्रॉपर्टी खरीद सकते हैं?

टैक्स, एडवायजरी और फोरेंसिक फर्म चोकसी एंड चोकसी के सीनियर पार्टनर मितिल चोकसी का कहना है कि कोई रेसिडेंट इंडियान उधार के पैसे से विदेश में संपत्ति नहीं खरीद सकता, भले ही फाइनेंसर एक स्थानीय बैंक या कोई ऑफशोर लेंडर हो। किश्तों की पेशकश करने वाले सौदों में, जहां संपत्ति भुगतान अवधि के अंत में हासिल की जाती है, एक अंतर्निहित उधार व्यवस्था है। निवासी भारतीयों के लिए भारत के बाहर वित्तपोषण की स्वतंत्र रूप से अनुमति नहीं है और ऐसी किस्त योजना, जो डेवलपर्स द्वारा लगाए गए ब्याज की मात्रा को छुपाती है, को वित्तपोषण के रूप में माना जा सकता है और इसलिए फेमा का संभावित गैर-अनुपालन माना जा सकता है। हालांकि, एक फेमा सलाहकार (जिसने नाम बताने से इनकार कर दिया) ने कहा कि निमार्णाधीन परियोजनाओं के लिए किस्तों में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। लेकिन, खरीदारों को बिल्डरों के साथ कांट्रेक्ट की जांच करनी चाहिए।

शेयर बाजार में मजबूत क्लोजिंग सेंसेक्स 941 अंक चढ़ा

मुंबई। शेयर बाजार में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन दमदार शुरूआत हुई है। शुक्रवार को लाल निशान पर बंद होने के बाद सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान पर खुले और मजबूत बढ़त के साथ बंद हुए। सोमवार को सेंसेक्स 941.12 (1.27%) अंकों की बढ़त के साथ 74,671.28 पर जबकि निफ्टी 223.46 (1.00%) अंक मजबूत होकर 22,643.40 पर बंद हुआ। इस दौरान सेबी की ओर से बीएसई को 165 करोड़ रुपये का बिल थमाए जाने के बाद इसके शेयरों में 13.31 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सोमवार के कारोबारी सत्र के दौरान एसबीआई और इंडसइंड बैंक के शेयरों में 3 प्रतिशत का उछाल आया।

आईसीआईसीआई बैंक के शेयर में बढ़त

सोमवार के कारोबारी सत्र के दौरान एनएसई पर आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 4.30 की बढ़त के साथ 52 हफ्तों के उच्चतम स्तर 1,155.65 रुपये पर पहुंच गए। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 8 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन निफ्टी अपने रिकॉर्ड स्तर 49,473 पर पहुंचा। सोमवार को रुपया 13 पैसे कमजोर होकर डॉलर के मुकाबले 83.47 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 26 शेयर हरे निशान में बंद हुए जबकि चार में गिरावट दर्ज की गई। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 990.99 अंक या 1.34 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74,721.15 अंक पर पहुचा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 223.45 अंक या एक प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,643.40 अंक पर बंद हुआ। मार्च तिमाही में आईसीआईसीआई बैंक का शुद्ध लाभ 18.5 फीसदी बढ़कर 11,672 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सीमेंट निमार्ता अल्ट्राटेक की ओर से 2023-24 की अंतिम तिमाही के लिए कर के बाद लाभ में लगभग 36 प्रतिशत की बढ़ोतरी की सूचना देने के बाद कंपनी के शेयरो में 2.7 प्रतिशत की वृद्धि दिखी।

ओला कैब्स के सीईओ ने छोड़ा पद 4 महीने पहले ही किया था ज्वाइन

नई दिल्ली। ऑनलाइन कैब सर्विस प्रोवाइड करने वाली कंपनी ओला कैब्स के सीईओ हेमंत बख्शी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। हेमंत बख्शी ने जनवरी महीने में ही कंपनी को ज्वाइन किया था। कहने का मतलब ये है कि उन्होंने चार महीने के भीतर नौकरी छोड़ दी है। हेमंत बख्शी के इस्तीफे के बाद उनकी जगह कौन लेगा, अब तक यह साफ नहीं हो सका है। ये इस्तीफा ऐसे समय में हुआ है जब कंपनी री-स्ट्रक्चरिंग प्रोसेस शुरू करने की योजना बना रही है। इससे कम से कम 10 प्रतिशत कर्मचारी प्रभावित होंगे। मनीकंट्रोल ने सूत्रों के हवाले से बताया कि री-स्ट्रक्चरिंग प्रोसेस के साथ संगठन के भीतर कुछ लोगों की भूमिकाएं उपयोगी नहीं रह जाएंगी। इस तरह 10% वर्कफोर्स प्रभावित कर हो सकता है।

एएनआई टेक्नोलॉजीज की कंपनी: बता दें कि ओला फ्लीट, ओला फाइनेंशियल सर्विसेज और ओला स्टोर्स की पैरेंट कंपनी एएनआई टेक्नोलॉजीज है। एएनआई टेक्नोलॉजीज ने 2,799 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया, जो ओला फ्लीट और ओला फाइनेंशियल सर्विस से राजस्व में कमी के बावजूद सालाना आधार पर लगभग 42 प्रतिशत अधिक है।

ओला कैब्स के आईपीओ की तैयारी

बता दें कि ओला कैब्स आईपीओ लॉन्च करने की भी योजना बना रही है। इसके लिए निवेश बैंकों के साथ चर्चा शुरू हो चुकी है। मनीकंट्रोल के मुताबिक कंपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लॉन्च का मूल्यांकन कर रही है। कंपनी ने पिछले एक महीने में कई नई नियुक्तियां भी की हैं, जिनमें कार्तिक गुप्ता को सीएफओ और सिद्धार्थ शकधर को सीबीओ नियुक्त करना शामिल है।

खेल

रावलपिंडी, लाहौर और कराची में होंगे चैंपियंस ट्रॉफी के मैच

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी के लिये कराची, लाहौर और रावलपिंडी को चुना है। भारत की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये हाइब्रिड मॉडल की अटकलों के बीच पीसीबी ने कहा है कि टूर्नामेंट पाकिस्तान में ही होगा। पिछली बार इंग्लैंड में 2017 में हुई चैंपियंस ट्रॉफी अगले साल फरवरी मार्च में हो सकती है।

भारत ने अभी तक अपनी भागीदारी की पुष्टि नहीं की है और ऐसी अटकलें हैं कि आईसीसी हाइब्रिड मॉडल का उपयोग करके भारत के मैच न्यूट्रल स्थान पर करा सकता है, अगर भारतीय टीम को सरकार से यात्रा की मंजूरी नहीं मिलती है तो। आईसीसी ने साफ तौर पर कहा है कि वह किसी सदस्य देश को उसकी सरकारी नीति का उल्लंघन करने को नहीं कहेगा। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा , हमने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के मैचों के लिये शेड्यूल भेज दिया है । आईसीसी के सुरक्षा दल से बैठक अच्छी रही । उन्होने इंतजामात का जायजा लिया और हमने भी उन्हें सारी जानकारी दी । पिछले साल एशिया कप का आयोजन भी हाइब्रिड मॉडल पर किया गया था । भारत के मैच श्रीलंका में कराये गए थे जबकि टूर्नामेंट का आधिकारिक मेजबान पाकिस्तान था।

29 साल बाद किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा पाक

पाकिस्तान 29 साल के लंबे अंतराल के बाद किसी आईसीसी इवेंट की मेजबानी 2025 में करने जा रहा है। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले पाकिस्तान ने आखिरी बार 1996 में आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी की थी। भारत ने 2006 के बाद से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। दोनों देशों के बीच एक दशक से ज्यादा के समय से कोई बाइलेट्रल सीरीज भी नहीं खेली गई है। दोनों टीमें लंबे समय से एक दूसरे के साथ सिर्फ आईसीसी टूनार्मेंट में ही क्रिकेट खेलती हैं। भारत और पाकिस्तान का अगला मुकाबला इसी साल आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में 9 जून को होने वाला है।

अश्विन को शायद 2025 में कोई नहीं खरीदेगा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन पर निशाना साधा है जो इस साल आईपीएल में फॉर्म में नहीं चल रहे हैं। अश्विन इस सीजन विकेट लेने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और उन्होंने आठ मैचों में दो विकेट झटके हैं तथा नौ रन प्रति ओवर से रन लुटाए हैं। फॉर्म में नहीं होने के बावजूद अश्विन ने कहा था कि टी20 में विकेट हासिल करना अप्रासंगिक है। अश्विन को जवाब देते हुए सहवाग ने कहा कि शायद अश्विन को अगले सीजन के लिए

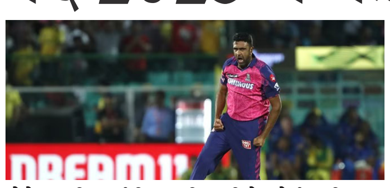

होने वाली आईपीएल नीलामी में कोई खरीददार नहीं मिलेगा। सहवाग ने टी20 क्रिकेट में अश्विन की गेंदबाजी रैवेये की आलोचना की। सहवाग अश्विन की उस बात से असहमत हैं कि गेंदबाज का ध्यान रनों की गति रोकने पर रहता है, विकेट लेने पर नहीं। सहवाग ने कहा, यह केएल राहुल के उस बयान की तरह ही है जिसमें उन्होंने कहा था कि स्ट्राइक रेट से फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने ये बात बल्लेबाजी के लिए कही थी। अश्विन ने गेंदबाजी के लिए कहा है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता अगर आप विकेट नहीं ले रहे हो। उनके आंकड़े अच्छे नहीं हैं और हो सकता है कि उन्हें अगले सीजन के लिए होने वाली नीलामी में ना खरीदा जाए। जब आप कोई गेंदबाज लेते हो तो यह देखते हो कि वह 20-25 रन रोके या आप उससे विकेट निकालने की उम्मीद करते हो।

दीपिका कुमारी को मिला आर्चरी वर्ल्ड कप में मेडल जीतने का ईनाम

नई दिल्लीः शंघाई में हाल ही में हुए विश्व कप में रजत पदक जीतने वाली दुनिया की पूर्व नंबर एक तीरंदाज दीपिका कुमारी को पेरिस ओलिंपिक से पहले टारगेट ओलिंपिक पोडियम स्कीम में फिर शामिल किया गया है। दिसंबर 2022 में मां बनने के बाद पिछले साल पूरे सत्र में बाहर रही दीपिका ने हाल ही में वापसी की है। वह घरेलू के साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा खेल रही है। तीन बार की ओलिंपियन रिकर्व तीरंदाज दीपिका ने इस साल एशिया कप में भी पदक जीता।

जून में क्वालीफाई करने का अंतिम मौका

अभी तक पुरुषों के व्यक्तिगत वर्ग में सिर्फ धीरज बोम्मादेवरा ओलिंपिक के लिये क्वालीफाई कर सके हैं। आखिरी क्वालीफाइंग टूनार्मेंट तुर्की के अंताल्या में 15 और 16 जून को होगा। खेल मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार तीरंदाज मृणाल चौहान को भी टॉप्स विकास ग्रुप में शामिल किया गया है ।

2028 ओलिंपिक की तैयारी अभी से शुरू

मिशन ओलिंपिक सेल (एमओसी) ने 133वीं बैठक में स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह, अभय सिंह और वेलावन सेंथिल कुमार को भी टॉप्स विकास ग्रुप में रखा है ताकि वे 2028 लॉस एंजिलिस खेलों की तैयारी कर सकें। भारत के वेलावन सेंथिल कुमार ने बाश ओपन चैलेंजर टूनार्मेंट जीता है।

हार्दिक पांड्या को लग सकता है झटका

नई दिल्ली। अब से कुछ महीने पहले तक इस बारे में बात की जा रही थी कि ऋषभ पंत आईपीएल 2024 का हिस्सा बन पाएंगे या नहीं, लेकिन टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम घोषित होने से कुछ ही दिन पहले पंत भारतीय टीम के उपकप्तान बनने की दौड़ में शामिल हो गए हैं। टी20 विश्व कप का आयोजन एक जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में होना है और इसके लिए एक मई को टीम घोषित हो सकती है।

राष्ट्रीय चयनकर्ता अगले 48 घंटे में भारतीय टीम की घोषणा कर सकते हैं और मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पंत को दोबारा भारतीय टीम का उपकप्तान बनाया जा सकता है। पंत दिसंबर 2022 में कार दुर्घटना में घायल होने से पहले भारतीय टीम के उपकप्तान रह चुके हैं। पंत ने जून 2022 में दक्षिण अफ्रीका में भारतीय टीम की कमान भी संभाली है। माना जा रहा है कि पंत टी20 विश्व कप के लिए विकेटकीपर के रूप में पहली पसंद हैं।

इन खिलाड़ियों को मिल सकता है मौकाः टी20 विश्व कप के लिए चयन को लेकर काफी चर्चा चल रही है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो कप्तान रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव शीर्ष क्रम में होंगे।

मुंबई के कप्तान के तौर पर विफल रहे हैं हार्दिक

पंत को उपकप्तान बनना इतना आसान फैसला नहीं होगा क्योंकि हार्दिक पांड्या भी इस दौड़ में शामिल हैं। हार्दिक का आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस के कप्तान के तौर पर विफल रहना उनके लिए खतरे की घंटी है और पंत को इसी का फायदा मिलता दिख रहा है। कप्तान के तौर पर पांड्या के कुछ फैसलों पर सवाल खड़े किए गए हैं, जबकि फैंस ने भी उनकी जमकर हूटिंग की है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। हार्दिक पिछले साल भारत में खेले गए वनडे विश्व कप में उपकप्तान की भूमिका में थे और तेज गेंदबाजी करना हमेशा ही उनके लिए फायदेमंद रहा है।

मप्र में तीसरे चरण के 127 प्रत्याशियों में से 14% पर आपराधिक केस

भोपाल। मध्यप्रदेश लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के 127 प्रत्याशियों में से 18 पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से नौ पर गंभीर आपराधिक मामले हैं। देश में तीसरे चरण के उम्मीदवारों में भाजपा के गुना से प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया संपत्ति के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। तीसरे चरण में नौ सीटों भोपाल, बैतूल, सागर, विदिशा, राजगढ़, गुना, भिंड, मुरैना, ग्वालियर में सात मई को मतदान होगा। इन सीटों पर 127 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इनमें 18 प्रत्याशी यानी 14 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। नौ पर यानी 7 प्रतिशत पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसको लेकर एडीआर ने रिपोर्ट जारी की है। जिसके अनुसार तीन लोकसभा क्षेत्र ऐसे हैं, जहां पर तीन या उससे अधिक प्रत्याशियों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसमें ग्वालियर के 19 प्रत्याशियों में तीन, विदिशा में 13 प्रत्याशियों में तीन, भोपाल 22 प्रत्याशियों में 4 पर केस दर्ज हैं। इसमें भाजपा, कांग्रेस, राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी और एक निर्दलीय प्रत्याशी शामिल है।

सिंधिया संपत्ति के मामले में दूसरे स्थान पर

तीसरे चरण में देश भर में सिंधिया संपत्ति के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। तीसरे चरण में देश में 95 सीटों पर 1352 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इसमें गुना से भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया 424 करोड़ की संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर हैं। पहले स्थान पर 1361 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ साउथ गोवा से भाजपा प्रत्याशी पल्लवी श्रीनिवास है।

देनदारी में एमपी के रमेश गर्ग टॉप पर

वहीं, तीसरे चरण के देश भर के प्रत्याशियों में देनदारी में एमपी की मुरैना सीट से बसपा प्रत्याशी टॉप पर हैं। यहां पर बहुजन समाज पार्टी ने रमेश गर्ग को प्रत्याशी बनाया है। उनकी कुल संपत्ति 16 करोड़ है, लेकिन उन पर देनदारी 351 करोड़ रुपये बताई गई है। वहीं, विवादित देनदारी करीब 1 करोड़ रुपये है।

127 में से 37 उम्मीदवार करोड़पति

करोड़पति उम्मीदवारों में गोवा के साउथ गोवा लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार पल्लवी श्रीनिवास डेम्पो पहले स्थान पर हैं। जिनकी कुल संपत्ति 1361 करोड़ 68 लाख है। एमपी के गुना से बीजेपी प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया की कुल चल अचल संपत्ति 424.74 करोड़ रुपए है। सिंधिया का पल्लवी के बाद दूसरा स्थान है। एमपी के 127 में से 37 उम्मीदवार करोड़पति हैं जो कुल संख्या का 29 प्रतिशत है। सिंधिया के अलावा टाप टेन अमीर कैंडिडेट्स में एमपी का कोई दूसरा प्रत्याशी नहीं है।

100 करोड़पति उम्मीदवारों में एमपी के ये नेता शामिल

देश के 1352 प्रत्याशियों में से 100 करोड़पति उम्मीदवारों में सागर के कांग्रेस प्रत्याशी चंद्रभूषण सिंह बुंदेला का 29वां स्थान हैं। उनकी कुल संपत्ति 51.93 करोड़ है। राजगढ़ से दिग्विजय सिंह 50.24 करोड़ की संपत्ति के साथ 1352 प्रत्याशियों में 32वें स्थान पर हैं।
भोपाल से चुनाव लड़ रहे रिटायर्ड आईपीएस मैथिलीशरण गुप्ता 19.23 करोड़ की संपत्ति के साथ 60वें स्थान पर हैं। सागर से बीजेपी प्रत्याशी लता वानखेड़े 17.34 करोड़ की संपत्ति के साथ 70वें स्थान पर हैं। मुरैना से बीएसपी प्रत्याशी रमेश गर्ग 16.47 करोड़ के साथ 74वें और भोपाल से कांग्रेस उम्मीदवार अरुण श्रीवास्तव 16.32 करोड़ की संपत्ति के साथ 75वें स्थान पर हैं।

भोपाल में 4 प्रत्याशियों ने एक भी रुपया नहीं खर्चा

भोपाल लोकसभा सीट से कुल 22 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें से 6 करोड़पति और 13 लखपति हैं, लेकिन चुनाव में खर्च करने में वे पीछे हैं। अब तक 19 कैंडिडेट्स ने ही हिसाब दिया है। जिनमें से 2 कैंडिडेट ही ऐसे हैं, जिन्होंने 6.11 लाख और 26.55 लाख रुपए खर्च किए हैं। 4 उम्मीदवार ऐसे हैं, जिन्होंने खर्च नील बताया है। यानी, उनका एक रुपया भी खर्च नहीं हुआ। बाकी ने चुनाव खर्च की तय लिमिट का 1 भी खर्च नहीं किया। 3 उम्मीदवारों ने तो चुनाव आयोग को खर्च का हिसाब ही नहीं दिया है। इनमें सबसे अमीर कैंडिडेट मैथिलीशरण गुप्त भी शामिल हैं। खर्च के मामले में बीजेपी के आलोक शर्मा सबसे आगे हैं। वे अब तक 26 लाख 55 हजार रुपए से ज्यादा खर्च कर चुके हैं। इनमें 24 अप्रैल को पीएम नरेंद्र मोदी के रोड शो का खर्च शामिल नहीं है। दूसरे नंबर पर कांग्रेस के अरुण श्रीवास्तव हैं, जिन्होंने 6.10 लाख रुपए खर्च किए हैं।

गुप्त-महाजन ने हिसाब नहीं दिया

भोपाल सीट से 2 करोड़पति निर्दलीय उम्मीदवार मैथिलीशरण गुप्त और आरके महाजन ने चुनाव खर्च का हिसाब ही नहीं दिया है। गुप्त के पास करीब 20 करोड़ और महाजन के पास 1.58 करोड़ रुपए की संपत्ति हैं। 6.92 करोड़ रुपए की संपत्ति के मालिक बसपा के भानुप्रताप सिंह ने 31 हजार 36 रुपए खर्च किए हैं। वहीं, परिवर्तन पार्टी ऑफ इंडिया के कैंडिडेट अक्षय गोठी ने 21 हजार रुपए का चुनावी खर्च बताया है।

लखपति कैंडिडेट्स का खर्च भी कम

भोपाल सीट से कुल 22 में से 14 उम्मीदवार ऐसे हैं, जो लखपति हैं। इनमें सबसे अमीर निर्दलीय अंकित राय हैं। उनके पास 99 लाख 90 हजार रुपए की संपत्ति है। उन्होंने अब तक 11 हजार 50 रुपए खर्च किए हैं। इनके अलावा बाबूलाल सेन, बलराम सिंह तोमर, भारती यादव, दीनदयाल अहिरवार, राजेश कीर, अब्दुल ताहिर, मो. अशरफ, मुदित चौरसिया, अजय कुमार पाठक, संजय सरोज, जय सिंह लोधी, हितेंद्र शहारे और धनराज शेंडे भी लखपति उम्मीदवार हैं। इनमें भारती यादव, राजेश कीर, संजय सरोज और आरके महाजन ने कुछ भी खर्च होना बताया है।

रामप्रसाद पटेल ने सबसे कम 1500 रुपए खर्च किए

भोपाल सीट से सबसे कम चुनावी खर्च क्रांति जनशक्ति पार्टी के रामप्रसाद पटेल का है। उन्होंने अब तक 1500 रुपए ही खर्च किए हैं। मुदित भटनागर के बाद वे दूसरे सबसे कम संपत्ति के मालिक हैं। उनके पास 75 हजार 444 रुपए की संपत्ति है। भटनागर 32 हजार 300 रुपए खर्च कर चुके हैं।

सात मई को होगा नौ सीटों पर मतदान

मध्य प्रदेश में चार चरणों में मतदान हो रहा है। पहले चरण में छह सीटों पर 19 अप्रैल, दूसरे चरण में छह सीटों पर 26 अप्रैल और तीसरे चरण में नौ सीटों पर सात मई को मतदान होगा। इसके बाद चौथे चरण में 13 मई को आठ सीटों पर वोट डाले जाएंगे। मतगणना 4 जून को देशभर में एक साथ होगी।

ब्रीफ न्यूज़

विजयपुर से 6 बार के कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत थामेंगे बीजेपी का दामन

भोपाल। कांग्रेस के सीनियर लीडर और श्योपुर जिले की विजयपुर सीट से 6 बार के कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत मंगलवार बीजेपी की सदस्यता लेंगे। सीएम डॉ. मोहन यादव और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के समक्ष वे बीजेपी की सदस्यता लेंगे। श्योपुर जिले के विजयपुर में रामनिवास की बीजेपी में जॉइनिंग होगी। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने रामनिवास रावत के बीजेपी में शामिल होने की खबरों पर कहा- रामनिवास जी कल भाजपा में शामिल हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि रामनिवास रावत मुरैना लोकसभा सीट से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन पार्टी ने पूर्व विधायक सत्यपाल सिंह सिकरवार नीटू को टिकट दे दिया। इसके बाद वे कांग्रेस से नाराज हो गए थे। 25 अप्रैल को पीएम नरेन्द्र मोदी के मुरैना दौरे के वक्त उनके बीजेपी में शामिल होने की खबरें आने लगीं। इसके बाद आनन-फानन में राहुल गांधी ने उनसे टेलीफोनिक चर्चा की थी। राहुल के आश्वासन पर कहा गया कि वे मान गए हैं और बीजेपी में शामिल नहीं होंगे। सूत्रों की मानें तो रामनिवास की इस हफ्ते में राहुल गांधी से पर्सनल मीटिंग होने वाली थी। रामनिवास रावत 25 अप्रैल को मुरैना में पीएम मोदी की जनसभा के दौरान बीजेपी में शामिल होने वाले थे। सूत्रों की मानें तो रामनिवास रावत ने बीजेपी नेताओं के सामने यह शर्त रखी थी कि अमित शाह से उनकी मीटिंग या बातचीत कराई जाए। लेकिन, अमित शाह से उनकी चर्चा नहीं हो पाई थी। इसके चलते उन्होंने बीजेपी जॉइन नहीं की। सूत्र बताते हैं कि अब केन्द्रीय नेतृत्व से रामनिवास रावत की चर्चा होने के बाद वे बीजेपी में शामिल हो रहे हैं।

बिना लाइसेंस दवाओं की बिक्री के प्रस्ताव का भोपाल में भी विरोध

भोपाल। बिना लाइसेंस के ओवर-द-काउंटर दवाओं की बिक्री की अनुमति देने के केंद्र सरकार के प्रस्ताव का भोपाल में भी विरोध हो रहा है। भोपाल केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र धाकड़ ने कहा कि किराने की दुकान पर दवाएं कैसे बेची जा सकेंगी? यह प्रस्ताव वापस होना चाहिए। भोपाल में भी ज्ञापन सौंपा जाएगा। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स ने पहले ही इस प्रस्ताव पर चिंता जताई थी। साथ ही स्वास्थ्य मंत्री, प्रमुख स्वास्थ्य सचिव, औषधि महानियंत्रक, स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक, राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण के अध्यक्ष और अन्य संबंधित अधिकारियों ज्ञापन भी सौंपे जा चुके हैं। एसोसिएशन के अध्यक्ष धाकड़ ने कहा कि इस तरह का कदम मौजूदा दवा कानूनों, फामेर्सी विनियमों और सर्वोच्च न्यायालय के निदेशों सहित प्रासंगिक कानूनी ढांचे का उल्लंघन करेगा। इस प्रस्ताव के विरोध में भोपाल में भी ज्ञापन सौंपा जाएगा। जिसमें प्रस्ताव को वापस लेने की मांग की जाएगी।

भिंड, मुरैना और ग्वालियर में मतदान बढ़ाने की चुनौती

भोपाल। पहले दो चरण के चुनाव में मतदान प्रतिशत घटने से राजनीतिक दल और चुनाव आयोग भी चिंतित है। सभी अपने-अपने स्तर पर मतदान बढ़ाने के लिए प्रयास भी कर रहे हैं लेकिन इसके परिणाम सामने नहीं आ रहे हैं। पहले चरण में मतदान घटने के बाद राजनीतिक दलों और चुनाव आयोग ने प्रयास बढ़ाए पर दूसरे चरण में मत प्रतिशत और घट गया। अब चुनौती तीसरे चरण की नौ लोकसभा सीटों पर मतदान का प्रतिशत बढ़ाने की है। इसमें भी भिंड, मुरैना और ग्वालियर में चुनौती अधिक है, क्योंकि यहां प्रदेश में सबसे कम मतदान रहता है। 2014 में भिंड में सबसे कम 45.63 प्रतिशत मतदान हुआ था। 2019 में भी यही स्थिति। दस प्रतिशत मतदान तो बढ़ा पर 54.42 प्रतिशत के साथ प्रदेश में यह सबसे कम था। दूसरा स्थान ग्वालियर का था। मुरैना चौथे नंबर पर था 2014 में भी यही स्थिति थी। मध्य प्रदेश की छह-छह सीट को मिलाकर कुल 12 लोकसभा सीटों पर दो चरण में हुए मतदान हो चुका है। इनमें 2019 की तुलना में क्रमशः 7.48 और 9.6 प्रतिशत मतदान कम रहा। इसे देखते हुए भाजपा और कांग्रेस ने रणनीति बदली और कार्यकताओं को बूथ स्तर पर सक्रिय किया तो मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने भी चलें बूथ की ओर अभियान चलाने का निर्णय किया। एक मई को तीसरे चरण में शामिल भिंड, मुरैना, ग्वालियर, गुना, सागर, राजगढ़, विदिशा, भोपाल और बैतूल लोकसभा क्षेत्र में मतदान होगा। इनमें से भिंड संसदीय क्षेत्र ऐसा है, जहां मतदान कम रहता है।

2019 के लोकसभा चुनाव में भिंड के अंतर्गत आने वाले अटेर विधानसभा में सबसे कम 49.34 प्रतिशत मतदान रहा था। भिंड में भी 49.49 मतदान ही घरों से निकले थे। छह विधानसभा क्षेत्रों में 60 प्रतिशत से कम मतदान रहा था तो भांडेर और दतिया सीट ही ऐसी थीं, जहां मतदान 60 प्रतिशत से अधिक रहा था।

ग्वालियर लोकसभा की बात करें तो यहां भी 59.78 प्रतिशत मतदान रहा था, जो 2014 की तुलना में 7.05 प्रतिशत अधिक था पर विधानसभावार देखा जाए तो पांच विधानसभाओं में यह 60 प्रतिशत से कम रहा था। मुरैना में भी यही स्थिति थी।

यहां की भी पांच विधानसभाओं में मतदान 60 प्रतिशत तक नहीं पहुंच पाया था। इसे देखते हुए भाजपा ने अपने पन्ना और अर्द्ध पन्ना प्रभारियों को घर-घर संपर्क करने का दायित्व सौंपा है तो पार्टी आयुष्मान योजना के लिए 70 से अधिक आयु के व्यक्तियों से संकल्प पत्र भरवाने के माध्यम से संपर्क साध रही है।

कमलनाथ बोले- हमेशा से आरक्षण विरोधी रही है भाजपा

भोपाल। लोकसभा चुनाव 2024 में ओबीसी आरक्षण का मुद्दा छाया हुआ है। इस कारण आरक्षण के मामले पर एक बार फिर सियासत शुरू हो गई है। कांग्रेस और बीजेपी के नेता एक दूसरे को आरक्षण विरोधी बताने में जुटे हुए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा है कि मध्य प्रदेश में पिछड़ा वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण उनकी सरकार ने दिया था। अब चुनावी समय में बीजेपी आरक्षण मामले में कांग्रेस पर झूठा आरोप लगा रही है।

कमलनाथ ने अपने सोशल साइट एक्स पर लिखा कि भारतीय जनता पार्टी का चरित्र हमेशा से आरक्षण विरोधी रहा है। मध्य प्रदेश में मेरे मुख्यमंत्री कार्यकाल में अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था। लेकिन लोकतांत्रिक ढंग से चुनी हुई सरकार गिराकर बनी भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने षड्यंत्रपूर्वक ओबीसी को मध्य प्रदेश में दिये गये 27 प्रतिशत आरक्षण को समाप्त करा दिया।

चुनाव से पहले खुद को बता रहे ओबीसी समर्थक

कमलनाथ ने आगे लिखा कि अब लोकसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी के नेता खुद को आरक्षण समर्थक बता रहे हैं और कांग्रेस पर बेबुनियाद झूठे आरोप लगाने की कोशिश कर रहे हैं। जनता को यह सच्चाई बहुत अच्छी तरह से समझना चाहिए कि 1947 में देश की आजादी के बाद से कांग्रेस पार्टी ने ही आरक्षण की व्यवस्था लागू की और समय समय पर इसका दायरा वंचित समुदाय के लिए बढ़ाया। वहीं, भाजपा का चरित्र आरक्षण विरोधी हैं और उन्होंने कभी आरक्षण देने का काम नहीं किया, बल्कि मध्य प्रदेश और अन्य जगहों पर आरक्षण छीना है। इसलिए इस चुनाव में भाजपा के झूठ और पाखंड से सावधान रहिए और सच्चाई का साथ दीजिए।

ग्वालियर-चंबल में दलबदलुओं के सहारे बहुजन समाज पार्टी

भोपाल। ग्वालियर-चंबल में बहुजन समाज पार्टी के अपने परंपरागत मतदाता रहे हैं। मुरैना में भले ही पार्टी ने अभी तक जीत दर्ज नहीं की पर इतने वोट जरूर प्राप्त कर लेती है कि हार-जीत में वह निर्णायक बन जाती है। पार्टी प्रमुख मायावती मुरैना में सभा भी कर चुकी है। इस बार पार्टी यहां दलबदलुओं के सहारे दम लगा रही है। मुरैना में कांग्रेस से टिकट की दावेदारी कर रहे रमेशचंद्र गर्ग को जब पार्टी ने प्रत्याशी नहीं बनाया तो वे बसपा में चले गए और टिकट भी ले आए। 2014 में मुरैना से बसपा प्रत्याशी वृंदावन सिंह सिकरवार ने दो लाख 42 हजार वोट लेकर कांग्रेस को तीसरे नंबर पर पहुंचा दिया था। इस बार कांग्रेस से सिकरवार के भतीजे सत्यपाल सिंह सिकरवार मैदान में हैं। वहीं, 2019 में बसपा के करतार सिंह भड़ाना को एक लाख 29 हजार मत मिले थे। यहां भाजपा-कांग्रेस के उम्मीदवार क्षत्रिय समाज से हैं। ऐसे में बसपा ने वैश्य समाज से गर्ग को उतारकर जातिगत समीकरणों का लाभ उठाने की कोशिश की है।

इसी तरह भिंड में बसपा ने कांग्रेस से 2019 में उम्मीदवार रहे देवाशीष जरारिया को प्रत्याशी बनाया है। पिछले चुनाव में उन्हें तीन लाख 27 हजार मत मिले थे। वह इस बार भी टिकट मांग रहे थे, पर पार्टी ने भांडेर से विधायक फूल सिंह बरैया को टिकट दे दिया तो वह नाराज होकर बसपा से चुनाव लड़ गए। यहां पिछले चुनाव में बसपा को 66 हजार 613 मत मिले थे। ग्वालियर में भी पार्टी ने हाल ही में कांग्रेस से आए कल्याण सिंह कंसाना पर दांव लगाया है। वह कांग्रेस के प्रदेश महासचिव और ग्वालियर देहात के अध्यक्ष रहे हैं।

तीनों सीटों पर कांग्रेस के बागी बसपा से उम्मीदवार हैं, इसलिए यहां कांग्रेस को ज्यादा नुकसान की आशंका है। खासतौर पर मुरैना में बसपा के परंपरागत मत अधिक होने यहां ज्यादा हानि हो सकती है।

विधानसभा चुनाव में बसपा को मुरैना लोकसभा सीट में मिले थे 20 प्रतिशत मत

मुरैना लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाली आठ विधानसभा सीट में भी पार्टी कहीं दूसरे तो कहीं दूसरे तो कहीं तीसरे स्थान पर रही। उसके प्रत्याशियों को अधिकतम 56 हजार तक मत मिले थे। सभी सीटों के मत जोड़ें तो बसपा को तीन लाख दो हजार 113 मत मिले थे जो कुल डाले गए मतों को 20.87 प्रतिशत है। इसके बाद विधानसभा चुनाव परिणाम के आधार पर बसपा की अच्छी स्थित रीवा में रही। यहां हर विधानसभा सीट में पार्टी को आठ हजार से लेकर 44 हजार तक मत मिले थे। सभी विधानसभा सीटों की बात करें तो दो लाख दो हजार 50 मत मिले थे, जो कुल डाले गए मतों का 16.34 प्रतिशत है।

तीन युवकों से शादी कर चुकी भोपाल की लुटेरी दुल्हन राजस्थान में पकड़ाई

भोपाल। भोपाल की जहांगीराबाद पुलिस ने लुटेरी दुल्हन गिरोह का पदार्फाश किया है। पकड़ाई महिला अब तक 3 युवकों से शादी कर ठगी कर चुकी है। वह शादी के बाद मौका पाकर जेवरात और नकदी लेकर चंपत हो जाती थी। पुलिस ने लुटेरी दुल्हन सहित एक महिला और पुरुष के खिलाफ दर्ज की है। ये सभी सभी शादी के नाम पर ठगी किया करते थे। पुलिस के मुताबिक अशोका गार्डन निवासी महिला ललिता मानेकर (47) ने 13 अप्रैल को जहांगीराबाद थाने में शिकायत दर्ज कराई। कहा- मेरी बेटी सरिता महाजन (28) जहांगीराबाद के बरखेड़ी स्थित घर से घर से बिना बताए कही चली गई है। वह अपनी दोनों बेटियां (एक 5 और 7 वर्ष) को मेरे पास छोड़ गई है। शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू की।

2 दिन बाद 15 अप्रैल को ललिता मानेकर ने फिर थाने पहुंचकर बताया कि मेरी बेटी सरिता को कोई बहला फुसलाकर राजस्थान ले गया। वहां उसे डेढ़ लाख रुपए में बेच दिया है। पुलिस को संदेह हुआ तो उन्होंने ललिता मानेकर से पूछताछ की। तब ललिता ने बताया कि मैने ही बेटी सरिता की राजस्थान के रहने वाले सोनू शर्मा से शादी कराई है। इसमें सोहेल नाम के व्यक्ति ने मदद की है। इससे पहले उसकी तीन शादी हो चुकी हैं। ललिता ने पुलिस को बताया कि उसके गिरोह के लोग नोटरी कराकर शादी करवा देते हैं। उसके बाद मौका देखकर सरिता वापस अपने घर आ जाती है। पूछताछ के बाद एक टीम लड़की की बरामदगी के लिए राजस्थान के झालावाड़ स्थित बकानी थाना क्षेत्र पहुंची। जहां से लड़की को बरामद कर लिया गया।

राजस्थान पुलिस ने की कार्रवाई

सरिता के मिलने के बाद बकानी पुलिस को केस की जानकारी दी गई। वहां पुलिस ने सोनू शर्मा की रिपोर्ट पर घटना में शामिल सरिता महाजन (लुटेरी दुल्हन), सुनीता ठाकुर और इंदर सिंह गुर्जर (निवासी बकानी, जिला झालावाड़) के खिलाफ धारा 406, 420, 506 के तहत केस दर्ज कर गिरफ्तार किया। फरार आरोपी सोहैल की तलाश की जा रही है।

सरिता ने पूछताछ में यह खुलासे किए

पुलिस की पूछताछ में सरिता महाजन ने बताया कि सोनू शर्मा के लिए उसने अपना गुंजन रखा था। इसी नाम से आधार कार्ड व वोटर आईडी तैयार किया गया था। इन्ही दस्तावेजों की मदद से नोटरी कराकर शादी की है। इस प्रकार गैंग के अन्य सदस्य सुनीता ने अपना नाम अनीता बताया, और लड़के वालों के समक्ष लड़की की मौसी बनकर प्रस्तुत हुई थी। सोहेल लड़के वालों के समक्ष अपना नाम राकेश बताकर लड़की का भाई बनकर प्रस्तुत हुआ है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक जितेंद्र कोठारी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.ली. राऊखेड़ी, देवास रोड, इंदौर (म.प्र.) 453771 से मुद्रित एवं 107, प्रथम माला, स्वदेश भवन, ए.बी. रोड़, इंदौर (मध्य प्रदेश)पिन- 452011 से प्रकाशित। संपादक - मिलिंद बायवार*। आरएनआई नं. एमपीबीआईएल/2020/80117 मो. 07313144237, 83570-89000, Email: mradubhashi.news@gmail.com * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र इंदौर रहेगा।)

ब्रीफ न्यूज़

मतदान दल के प्रत्येक सदस्य तटस्थता लेकर निर्वाचन कार्य संपन्ना करें: एसडीएम

सारंगपुरः कलेक्टर हर्ष दीक्षित के आदेशानुसार तथा अनुविभागीय अधिकारी संजय उपाध्याय के मार्गदर्शन में द्वितीय चरण के प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर एसडीएम एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर संजय उपाध्याय ने कहा कि सभी लोक सेवकों को तटस्थ लेकर निर्वाचन प्रक्रिया संपन्ना करनी है तथा आपका स्वयं का भी 100 फीसद मतदान हो इस बात का ध्यान रखना। प्रशिक्षण उत्कृष्ट विद्यालय सारंगपुर मे आयोजित किया जा रहा है। सोमवार लगभग 320 लोक सेवक प्रशिक्षण हेतु उपस्थित हुए अवसर पर ने संबोधित करते हुए कहा कि मतदान रूपी महायज्ञ में सभी अपने-अपने मत की आहुति देकर इस लोकतंत्र के महापर्व को सफल बनाएं। नोडल सहायक नरसिंह शर्मा ने कहा कि मतदाता जागरूकता की गतिविधियां जैसे निबंध प्रतियोगिता रंगोली प्रतियोगिता कलश यात्रा पोस्टर प्रतियोगिता नारा लेखन आदि प्रत्येक स्कूल एवं आंगनबाडी मे गतिविधि आयोजित की जाए। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर सत्यनारायण शर्मा, शिवलाल मालवीय, राधेश्याम विजयवर्गीय, कैलाश नागर, गणेश शर्मा, सुरेश अहिरवार, सुरेश बिरमाल, कृष्ण स्वरूप सक्सेना, वसीम शेख, प्रीतम गुनवा, भगवान सिंह राठौड, रमेश तंबोली, जगदीश राज, नसीम उल्ला खान, तेज सिंह भिलाला आदि उपस्थित थे।

पड़ाना में अम्रता राय सिंह ने महिलाओं के साथ किया संवाद, समस्याएं सुनी

सारंगपुरः महंगाई और बेरोजगारी का चरम झेल रहे भारत में आज हर साल 6 करोड़ से अधिक लोगों को मात्र एक मेडिकल बिल गरीबी की खाई में धकेल देता है। महंगे इलाज, महंगी जांच और महंगी दवाइयों की वजह से आम आदमी उधारी और ब्याज के ऐसे चक्र में फंस जाता है जहां से बाहर निकलने में उसे वर्षों लग जाते हैं। हमारा संकल्प है कि हम 25 लाख तक का इलाज मुफ्त कर हर भारतीय को इस असुरक्षा के चक्र से बाहर निकालेंगे। अब भारत की किसी महिला को अपने परिवार के इलाज के लिए अपना मंगलसूत्र गिरवी नहीं रखना पडेगा। महिलाओं को 8500 माह देंगे। उक्त उद्गार पड़ाना पहुंची पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह की धर्मपत्नी ने महिलाओं के साथ संवाद करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हम युवाओं को 1 लाख साल की नौकरी, 30 लाख रिक्तियों पर भर्ती, किसानों को कानूनी एमएसपी देंगे। उन्होंने संवाद के दौरान सरकार को घेरा और कहा कि देश की संपत्ति अरबपतियों की जेब में, चंदे के धंधे वाली वसूली गैंग, संविधान और लोकतंत्र खत्म, किसान पाई-पाई का मोहताज है। हम सभी वर्गो को सम्मान दिलाएंगे। संवाद के दौरान श्रीमती सिंह ने महिलाओं की समस्याओं को सुना और उनके निराकरण करने का भरोसा दिया। इस मौके पर मीना मालवीय, रोशन खत्री, रीना मालवीय, दिनेश गुर्जर, रामबाबू सेन, आशा बाई वर्मा, प्रीति बाला जैन सहित अन्य उपस्थित थे। इसके पूर्व श्रीमती सिंह ने विगत दिवस दिवंगत हुए कांग्रेस नेता अजीज खां मंसूरी के निधन पर उनके निवास पर जाकर शोक संवेदना प्रकट की और परिवार को सांत्वना दी।

वोट का बहुत महत्व, जरूर करें मतदान:रामबाबू गुर्जर

सारंगपुरः लोकसभा के चुनाव हों या फिर विधानसभा, यह पांच साल के बाद आते हैं इसलिए चुनावों में वोट डालना बहुत जरूरी होता है। लोकतंत्र में वोट डालना वोटरों का कर्तव्य और जिम्मेदारी बनती है। इसलिए 7 मई को होने जा रहे लोकसभा चुनाव में प्रत्येक मतदाता उस अधिकार का प्रयोग करें जोकि समाज, राज्य और देश की भलाई के लिए बहुत जरूरी है। जितना ज्यादा मतदान होगा, हमारा लोकतंत्र भी उतना ही ज्यादा मजबूत होगा। क्योंकि भारत एक लोकतांत्रिक देश है। जहां पर चाहे केंद्र की सरकार और चाहे किसी राज्य की, उसे चुनने का माध्यम एक वोट ही है। इसलिए इस देश में वोट की महत्ता बहुत ज्यादा है। इस महत्ता को ध्यान में रखते हुए ही अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। उक्त उद्गार चुनाव आयोग के निर्देश पर घर-घर मतदाता पर्ची का वितरण के अवसर पर रोजगार सहायक रामबाबू गुर्जर ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मतदाता को वोट का इस्तेमाल बिना की किसी भय और लालच से करना चाहिए। किसी के पीछे लगकर नहीं अपनी सूझ बूझ से अच्छे प्रत्याशी को वोट करनी चाहिए। बीएलओ कालू राम पाटीदार घर-घर जाकर मतदान पर्ची बांटी। साथ ही लोगों को वोट देने के लिए जागरूक किया। इधर वरिष्ठ शिक्षक एवं बीएलओ रमेश पंवार के द्वारा पर्ची वितरण करते हुए मतदाताओं को समझाया गया कि आपके एक वोट की लोकतंत्र के लिए कितनी आवश्यकता है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। यहाँ की संघीय सरकार प्रत्येक पाँच वर्ष के अंतराल पर चुनाव के माध्यम से चुनी जाती है। देश के नागरिक इस चुनावी प्रक्रिया में सीधे तौर पर भाग लेते हैं। भारतीय संविधान के अनुसार देश में नियमित, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव आयोजित करने का अधिकार निर्वाचन आयोग को प्राप्त है। सभी नागरिकों को अपने वोट रुपी अधिकार का उपयोग आवश्यक रुप से करना चाहिये।

अब तक कांग्रेस का बड़ा नेता नहीं आया धार उमंग सिंघार के भरोसे मुवेल

प्रधानमंत्री मोदी का 6 मई को संभावित दौरा, तीसरी बार मिला नया समय, कुक्षी में सीएम योगी की मांग

धार। जैसे ही मतदान की में तारीख पास आ रही है वैसे ही अलग-अलग लोकसभा में बड़े-बड़े नेताओं की सभाएं आयोजित की जा रही है इसी क्रम में धार एक बार फिर से नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम तय हुआ है ।वही कार्यक्रम अभी ऊपर से नहीं आया है मगर ऊपर से बड़े नेताओं व प्रशासन को संकेत मिले हैं जिसके चल चलते फिर से एक बार हेलीपैडो का कार्य शुरू गया क्योकि 6 मई को कार्यक्रम धार के पीजी कॉलेज में रखा गया। धार-महू संसदीय सीट पर भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदाताओं को रुझाने के लिए तीसरी मर्तबा प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर नई तारीख जिला संगठन को मिली है। हालांकि यह कार्यक्रम भी प्रस्तावित ही बताया जा रहा हैं, अभी प्रदेश संगठन से इसको लेकर कोई सहमति नहीं मिली है। पहले 2 मई, इसके बाद 27 अप्रैल की तारीख तय की गई थी, 27 अप्रैल को लेकर धार के पीजी कॉलेज में भाजपा सहित प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी थी। अधिकारियों ने दौरा तय करते हुए बैठकों का आयोजन भी किया गया था, किंतु अचानक 27 का प्रोग्राम निरस्त करते हुए मई के प्रथम सप्ताह में धार आने की सूचना दी गई थी। अब संभावित दौरे को देखते हुए 6 सोमवार को यहां पर आ सकते हैं, दरअसल खरगोन जिले में भी पीएम का दौरा है। जिसके साथ ही धार सीट की चुनावी सभा के कार्यक्रम को जोड़ा जा रहा हैं।

हेलीकॉप्टर उतारने बनाया जा रहा है हेलीपैडः
पूर्व में 27 अप्रैल का कार्यक्रम तय हो गया था मगर आखिरी वक्त पर कार्यक्रम निरस्त हो गया था जिसके लिए प्रशासन ने जहां के जहां काम छोड़ दिया था। वहीं अब अगली तारीख आने के बाद भाजपा के कार्यकर्ता फिर लाने के लिए बैठकों के दौर शुरू कर दिए तो प्रशासन ने प्रशासनिक तैयारी करने के लिए एक बार मैदान में जुट गया। जिसके लिए पीजी कॉलेज में डोम बनना भी शुरू हो गया था, भाजपा ने दो लाख लोगों के जुटने का दावा किया था। कार्यक्रम आगे बढ़ने के बाद डोम का निर्माण अभी अधूरा है। जो पुन शुरू किया जायेगा, इधर हवाई यात्रा से पीएम मोदी धार आएंगे। पीएम शुरू के साथ चार हेलीकॉप्टर धार पुलिस लाइन में उतारे जायेगे। ऐसे में पीएम की सुरक्षा को देखते हुए चौथी हवाई पटटी बनकर भी तैयार हो गई है। वहीं अगर कार्यक्रम तय होता हैं, तो सीएम के लिए हेलीपैड मांडू रोड पर श्याम ढाबे के समीप एक खेत में बनाया जाएगा।

सीएम योगी की मांग:अलग-अलग क्षेत्र के हिसाब से अलग-अलग नेताओं की सभा होना तय हो गया है। चुनाव प्रसार के दौरान कई बडे नेता जिले में सभा सहित बैठक लेने के लिए पहुंचेंगे। कुक्षी विधानसभा के भाजपा नेताओं ने यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ की सभा क्षेत्र में करवाने की मांग रखी है। साथ ही केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी बदनावर में आएंगे। वहीं कांग्रेस से अभी कोई बडा नेता जिले में नहीं आएगा, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ही कांग्रेस प्रत्याशी के साथ गांवों में सभा व दौरा कर रहे है।

कांग्रेस में बड़े नेता की सभा की तारीखतय नही: वहीं चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है। मगर जिले में कांग्रेस के किसी बड़े नेता की सभा होने को लेकर अभी कोई प्रस्तावित कार्यक्रम नहीं आया है। वहीं सिर्फ जिले के विधायकों के साथ उमंग सिंघार के भरोसे ही इस बार लोकसभा चुनाव कांग्रेस लड़ रही है। वहीं पांच विधायक होने के बाद भी कोई ज्यादा चुनाव प्रचार होते नही दिख रहा है । धार में राहुल गांधी व प्रियंका जैसे नेताओं की सभा होने से कार्यकताओं के साथ वोटरों पर भी सभा का फर्ख पड़ेगा।

पुलिसकर्मी के सूने मकान में ताला तोड़कर घुसे बदमाश

दो लाख से अधिक के माल पर किया हाथ साफ, पुलिस कर रही बदमाशों की तलाश

शाजापुर। पुलिस लाईन मे एमटी शाखा में पदस्थ एक पुलिसकर्मी के सूने मकान पर ही बदमाशों ने हाथ साफ कर दिया। जो ताला तोड़कर अंदर घुसे और वहां रखी नगदी व आभूषण लेकर फरार हो गए। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

शाजापुर पुलिस लाइन में एमटी शाखा में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक गोविंद सिंह बार्गल का निजी मकान विजयनगर में स्थित है, जहां ये अपने परिवार के साथ रहते हैं। दो दिन पहले इनकी पत्न ी, बेटा और बेटी विवाह समारोह में शामिल होने के लिए खामखेड़ा और आष्टा गए हुए थे। सहायक उप निरीक्षक घर पर अकेले थे। पुलिसकर्मी शाम को घर पर ताला लगाकर ड्यूटी पर चले गए। रात को शाजापुर में ही बहन के घर रात के समय खाना खाने चले गए और वहीं सो गए। सुबह उठकर वहीं से ड्यूटी पर चले गए। पत्नी और बच्चे जब वापस लौटकर आए तो उन्हें घर की चाबी देने के लिए गए तो पता चला बदमाशों ने घर का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। जब वे घर के अंदर गए तो पता चला कि घर की अलमारियों में रखे सोने चांदी के आभूषण और नगद राशि बदमाश ले गए।

फ्लैग मार्च पूर्व नेहरू स्टेडियम में पुलिस स्टॉफ द्वारा मतदान करने हेतु शपथ ली गई

बुरहानपुर। जिला कलेक्टर बुरहानपुर सुश्री भव्या मित्तल एवं पुलिस अधीक्षक बुरहानपुर श्री देवेंद्र कुमार पाटीदार के नेतृत्व में बुरहानपुर पुलिस-प्रशासन आगामी लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु प्रतिबद्ध है। 13 मई को होने वाले लोकतंत्र के महापर्व मतदान की तैयारियां अंतिम चरण में चल रही है। पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में पुलिस फोर्स द्वारा शांतिपूर्ण निर्वाचन सुनिश्चित करने हेतु लगातार कार्यवाहियां की जा रही है। शहरवासियों में सुरक्षा एवं शांति का भाव सुद्दढ़ करने व पुलिस-प्रशासन की चुनाव हेतु पुख्ता तैयारी का संदेश देने के उद्देश्य से आज शाम जिला कलेक्टर महोदया एवं पुलिस अधीक्षक

महोदय के नेतृत्व में शहर में फ़्लैग-मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च पूर्व कलेक्टर महोदया द्वारा पुलिस कर्मियों को मतदान करने एवं अन्य लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित करने की शपथ दिलवाई गई। फ्लैग मार्च नेहरू स्टेडियम से शुरू होकर शनवारा- जयस्तंभ- मंडीचौक - सुभाषचौक- गांधी चौक- फूलचौक - बाईसाहब की हवेली - पांडुमल चौराहा - कमलचौक होते हुए जयस्तंभ पर समाप्त हुआ। फ्लैग मार्च में जिला कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल, पुलिस अधीक्षक श्री देवेंद्र कुमार पाटीदार, जिला पंचायत सीईओ श्रीमति सृष्टि देशमुख, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अंतर सिंह कनेश, अपर कलेक्टर श्री शंकरलाल सिंघाड़े, अपर कलेक्टर श्री वीरसिंह चौहान, नगर पुलिस अधीक्षक श्री गौरव पाटिल, एसडीएम बुरहानपुर श्रीमति पल्लवी पुराणिक, शहर के थानों के थाना प्रभारीगण, थाना स्टॉफ, डीआरपी लाइन एवं कंट्रोल रूम का पुलिस फोर्स शामिल हुआ।

दोहरे हत्याकांड का 10000 रुपए का फरार ईनामी आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रतलाम। बांगरोद नेगड़दा मार्ग पर केशव पिता विष्णुलाल गुर्जर उम्र 29 साल निवासी ग्राम सेमलिया थाना नामली व गजेन्द्र पिता पुनमचंद्र डोडिया जाति नाई उम्र 29 साल निवासी ग्राम अमलेटा थाना नामली की हत्या कर शव को काण्डरवासा फंटे पर एक्सीडेंट बताने की नियत से फेंक कर भाग गये थे। जिस पर से मर्ग जाँच उपरांत अपराध क्रं.119/2024 धारा 302,201,120बी,34 भादवि. का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया हैं। मामले में श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय रतलाम श्री राहुल कुमार लोढा(भा.पु.से.) के निर्देशन एवं श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री राकेश खाखा, श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी महोदय (रतलाम ग्रामीण) श्री अभिलाष कुमार भलावी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नामली निरीक्षक विक्रमसिंह चौहान के नेतृत्व में थाने की विशेष टीम एवं सायबर सेल की टीम ने कुल 19 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका हैं एवं शेष फरार आरोपियों की तलाश की लगातार तलाश की जा रही थी, जिसके दौरान दिनांक 28.04.2024 को 20 वा फरार आरोपी राजाराम पिता रणछोडलाल चौधरी निवासी ग्राम जडवासाकला थाना नामली जिला रतलाम को गिरफ्तार करने में सफलता पाई हैं। फरार आरोपी राजाराम की गिरफ्तारी हेतु श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय रतलाम द्वारा 10000/-रुपए की ईनाम उद्घोषणा की गई थी।

मऊ में आयोजित अजमेरी मंसूरी समाज के शादी सम्मेलन 46 जोड़ों ने कुबूल किया निकाह, मौलाना शफीक ने दी समझाइश

मोहब्बत कायम रखने के लिये जरूरी है एक दूसरे की कोतहियों को माफ करें:मौलाना

पड़ाना। मियाँ बीवी के बीच पुर सुकून माहौल होना चाहिये जो आपसी भरोसे और आपसी समझ के बिना मुमकिन नहीं है। आपसी भरोसा और आपसी समझ बिना आपसी मोहब्बत के कायम नहीं रह सकते। आपसी मोहब्बत कायम रखने के लिये जरूरी है कि एक दूसरे के साथ शफकत और मेहरबानी का सुलूक किया जाये। एक दूसरे की कोतहियों को माफ किया जाये। इन तीन बिंदुओ को पूरा करने पर ही ये उम्मीद की जा सकती है कि हमारी घरेलू जिंदगी अमन और सुकून का गहवारा बन जाये। यह समझाइश मऊ में आयोजित अमजेरी मंसूरी समाज के शादी सम्मेलन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए मौलाना मुफ्ती शफीक साहब फलाही ने निकाह बंधन में बंधे समाज के 46 जोड़ो को दी। उन्होंने हदीस का हवाला देते हुए नवविवाहितों संबोधित किया और कहा कि अब्दुल्ला इब्न मसूद से वर्णित है कि अल्लाह के नबी ने युवाओं के एक समूह को संबोधित करते हुए कहा, हे युवाओं, तुम में से जो लोग पत्नी का भरण-पोषण करने का साधन रखते हैं शादी कर लेनी चाहिए, क्योंकि शादी आपकी आंखों को बुरी नजर से बचाने का एक साधन है और आपको अनैतिकता से बचाती है। हालांकि, अगर कोई शादी की वित्तीय जिम्मेदारियों को उठाने में असमर्थ है, तो उन्हें उपवास करना चाहिए, क्योंकि उपवास किसी को नियंत्रित करने में सहायता करता है। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रुप में अम्रता राय सिंह, नप पचोर अध्यक्ष विकास करोडिया, पूर्व विधायक कृष्णमोहन मालवीय, पूर्व जपं अध्यक्ष नंदलाल नागर, पूर्व जिपं अध्यक्ष मीना मालवीय सहित अन्य उपस्थित थे।

हजारों की संख्या में समाजजन हुए सम्मेलन में शामिल

सोमवार को पड़ाना रोड़ पेट्रोल पंप के सामने अजमेरी मंसूरी समाज के तत्वाधान में सफलतापूर्वक संपन्ना हुए शादी सम्मेलन में पड़ाना, सारंगपुर, शाजापुर, उज्जैन, राजगढ़, सीहोर सहित दर्जनों गांवो एवं शहरों से आए 46 जोड़ो का इस्लामिक शरियत एवं नियमों के अनुसार निकाह पढ़ाया गया और जिंदगी भर हमसफर बनकर साथ निभाने की दुआएं समाज के वरिष्ठजनों के द्वारा नवदंपत्तियों को दी गई। इस दौरान समिति के द्वारा वधुओं को गृहस्थ जीवन उपयोगी सामग्री एवं उपहार भेंट किये। सम्मेलन समिति के सदर मुबारिक मंसूरी ने विवाह सम्मेलन आयोजित करने का उद्देश्य बताते हुए कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य समाज को फिजूलखर्ची से बचाते हुए एक सूत्र में जोड़ना है ताकि शादी में होने वाले कुप्रथाओं से समाज को बचाया जा सकें। खजांची शरीफ मंसूरी बरुखेड़ी ने समाजजनों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के कई लोग आर्थिक तौर पर कमजोर है और अपनी विवाह योग्य बेटियों की शादी करने में असमर्थ थे इसलिए समाज का सम्मेलन आयोजित किया गया। मऊ सरपंच रईस मंसूरी ने कहा कि हम आगे भी समाज को एकजुट रखने के लिए इस तरह के सामूहिक आयोजन समाजजनों के आपसी सहयोग से आयोजित किये जाएंगे। हम समाज को शिक्षा, स्वच्छता, रोजगार, सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना, बैटे बेटिओ को बेहतर तालीम देना, फोन पर दावत लेना और देना फिजूल खर्च पर रोक लगाना, समाज को रोजगार एवं कमजोर साथी कि मदद करना समाज को आगे बढ़ाना ऐसी सैकड़ो बातो पर अमल करेंगे।